MPHIN/2021/83938

दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः115 | ग्वालियर,5 जनवरी शुक्रवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर मुस्लिम परिवार मनाएगा जश्न!, उद्घाटन के बाद समर्थन में पैदल मार्च निकालेंगे कई राज्यों के मुसलमान

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन के बाद बेहद दिलचस्प नजारा देखने को मिलेगा. उद्घाटन के बाद यह शहर आपसी भाईचारे का भी गवाह बनेगा. दरअसल, मंदिर निर्माण के लिए बनाए गए निर्माण निधि कोष में दान देने वाले सैकड़ों मुस्लिम 22 जनवरी के बाद मंदिर के दर्शन के लिए अयोध्या की यात्रा करेंगे.यह एक पदयात्रा (पैदल मार्च) होगी, जिसे आरएसएस संबद्ध मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) की ओर से संचालित किया जाएगा. एमआरएम के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और प्रवक्ता शाहिद सईद ने कहा, ÷विभिन्न राज्यों के लगभग 50 जिलों से मुस्लिम समुदाय के सदस्य अयोध्या में राम मंदिर का दौरा करने के लिए तैयार हैं. इनमें से ज्यादातर कार, बाइक और साइकिल से आएंगे. इस पैदल मार्च से धार्मिक सौहार्द और मजबूत होगा. ये सभी 23 जनवरी के बाद अयोध्या पहुंचेंगे.÷

जम्मू कश्मीर के सबसे ज्यादा मुस्लिम होंगे शामिल–उन्होंने कहा कि यहां पैदल मार्च करने वाले मुस्लिमों में अच्छी संख्या जम्मू-कश्मीर से है. इसके अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, यूपी और दिल्ली से भी बड़ी संख्या में मुसलमान शामिल होंगे. ये लोग अलग-अलग बैकग्राउंड से हैं और भारत की धार्मिक मित्रता और भाईचारे के सार का प्रतिनिधित्व करते हैं.÷

250 जिलों के मुस्लिमों ने दिया है मंदिर निर्माण के लिए चंदा–हाल ही में एमआरएम के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा था कि सभी समुदाय भारत के हैं. सईद ने कहा, ÷एमआरएम देश भर के 250 जिलों से मुस्लिम समर्थन जुटाने, खानकाह, मदरसा और इस्लामिक स्कूलों से दान इकट्ठा करने में लगा हुआ है.÷ उन्होंने कहा कि 10 से अधिक इस्लामिक विश्वविद्यालयों के योगदान को निर्माण निधि कोष में दिया गया है.

गोहत्या पर तत्काल प्रतिबंध के समर्थन में भी है संगठन–सईद ने एमआरएम के पूर्व में किए गए अच्छे कामों के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा कि संगठन जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के पक्ष में 8.5 लाख से अधिक मुसलमानों के हस्ताक्षर का एक संग्रह तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को पेश कर चुका है. इसके अलावा देश भर से लगभग 11 लाख मुसलमानों ने गोहत्या पर तत्काल प्रतिबंध लगाने के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं. एमआरएम मुस्लिम समाज में तीन तलाक और हलाला जैसी प्रथाओं के खिलाफ कई वर्षों से अभियान चला रहा है.÷

रामलला के प्रतिष्ठित होने पर हर मुसलमान मनाए जश्न–सईद ने कहा कि एमआरएम का मानना है कि राम इमाम-ए-हिंद हैं. राम सदाचार के प्रतीक हैं, जिन्होंने मानवता और प्रेम का संदेश दिया.

संक्षिप्त समाचार

हंसराज रघुवंशी के राम भजन के मुरीद हुए पीएम मोदी, सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

अयोध्या में बनकर तैयार हो रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है, इसकी तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं. वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी की अपील पर भगवान राम से जुड़े भजनों को लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर कर रहे हैं, जिसे खूब सराहना मिल रही है.

गुरुवार (4 दिसंबर) को पीएम नरेंद्र मोदी ने मशहूर गायक हंसराज रघुवंशी कि भगवान राम को समर्पित भजन को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर किया है. उन्होंने लोगों से इस भजन को सुनने की अपील की है और कहा है कि इसमें भगवान राम के प्रति भक्तों की भावनाएं हैं.

भक्तजन अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं–यूट्यूब पर हंसराज रघुवंशी के भजन को शेयर कर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, अयोध्या में प्रभु श्री राम के स्वागत को लेकर पूरा देश राममय है. राम लला की भक्ति में डूबे भक्तजन इस शुभ दिन के लिए तरह-तरह से अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं. भगवान श्री राम को समर्पित हंसराज रघुवंशी जी का ये भजन सुनिए

एक दिन पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार की रहने वाली स्वाति मिश्रा के उसे भजन को शेयर कर सराहना की थी जिसमें उन्होंने गया था कि राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी. पीएम मोदी ने कहा था कि राम लला के स्वागत में यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला भजन है.

भोपाल की 108 सदस्यीय टीम अयोध्या में बजाएगी डमरू, प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम लिए आया बुलावा

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भोपाल की 108 सदस्यीय टीम डमरू बजाएगी. इस आयोजन के लिए भोपाल की डमरू टीम को बुलावा आया है. 20 जनवरी को डमरू टीम अयोध्या पहुंचेगी और 21 जनवरी को राम की पैड़ी पर पहली प्रस्तुति देगी. इस 108 सदस्यीय डमरू टीम में एमबीए-इंजीनियरिंग किए हुए कलाकार शामिल हैं.बता दें भोपाल की 108 सदस्यीय डमरू टीम देश की इकलौती डमरू टीम है. जुलाई महीने में काशी विश्वनाथ में डमरू टीम द्वारा प्रस्तुति दी गई थी. काशी विश्वनाथ में दी गई प्रस्तुति लोगों को इतनी भायी की अब अयोध्या से भी बुलावा आ गया है. डमरू टीम 20 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी और 21 जनवरी को राम की पैड़ी, तुलसी उद्यान, छोटी देवकाली, अशर्फी भवन रोड के तिराहे पर प्रस्तुति देगी. जबकि 22 जनवरी को राम जन्म भूमि पथ पर प्रस्तुति होगी.

सर्द हवाओं से ठिठुरा मध्य प्रदेश, अगले 4 दिनों तक इन जिलों में बारिश का सिलसिला रहेगा जारी

मध्य प्रदेश में मौसम में करवट ले ली है. मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक बारिश का दौर शुरू हो गया है. यह अगले 4 दिनों तक चलता रहेगा मध्य प्रदेश के चार संभाग के अधिकांश जिलों में बारिश हुई है. मौसम विभाग ने बारिश के चलते ठंड भी बढ़ने की संभावना जताई है.मध्य प्रदेश के चार संभाग में बीती रात से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई है. मौसम विभाग के विशेषज्ञ डॉ वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि उज्जैन, इंदौर, भोपाल और सागर संभाग के अधिकांश जिलों में बारिश हुई है. इसके अलावा कोहरा भी छाया हुआ है. उन्होंने बताया कि अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा. डॉ वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक एक-दो दिन के बाद एमपी के सभी जिलों में एक साथ बारिश होने की पूरी संभावना है. पश्चिमी विक्षोभ बनने की वजह से यह बारिश का क्रम चार दिनों तक चलेगा. डॉ वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि उज्जैन संभाग के नीमच और मंदसौर को छोड़कर शेष सभी जिलों में बारिश हुई है.

दिल्ली एनसीआर में लगी भीषण आग से मचा हड़कंप, हताहत की कोई सूचना नहीं

दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भीषण आग लगने की सूचना है. आग लगने के बाद हड़कंप मच गया. एम्स के जिस हिस्से में आग लगी, वहां पर मौजूद लोग डर के मारे इधर उधर भगने लगे. इस मामले की सूचना मिलने पर दिल्ली फायर सेवा विभाग ने सात फायर टेंडर को मौके पर रवाना कर दिया. फिलहाल, आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

डायरेक्टर ब्लॉक के दूसरी मंजिल पर लगी आग–जानकारी के मुताबिक दिल्ली एम्स में आग लगने की सूचना फायर सेवा विभाग को फोन कॉल के जरिए मिली. सूचना मिलने के तत्काल बाद मौके पर दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंच गई. दिल्ली एम्स में आग लगने की ये घटना सुबह छह बजे के आसपास की है. दिल्ली एम्स निदेशक कार्यालय के दूसरी मंजिल के गेट नंबर 2 टीचिंग ब्लॉक में आग लगी थी. आग की इस घटना में डायरेक्टर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर फर्नीचर, फ्रिज और ऑफिस रिकॉर्ड जलने की सूचना है. अभी तक इस मामले में किसी के घायल होने या हताहत होने की आधिकारिक सूचना नहीं है.

दिल्ली सरकार के दो अधिकारियों के खिलाफ LG ने दी CBI जांच की अनुमति,

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 223 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में वन और वन्यजीव विभाग से जुड़े दिल्ली सरकार के दो अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच की अनुमति दे दी है. एक अन्य मामले में एलजी ने 60,000 रुपये के रिश्वत मामले में दिल्ली सरकार की ओर से संचालित अस्पताल की दो वरिष्ठ नर्सों के खिलाफ जांच करने के लिए एसीबी को अनुमति दी. दोनों मामलों में, एलजी ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 17 के तहत जांच के प्रस्तावों को

मंजूरी दे दी है.राज निवास के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने टिप्पणी की कि यह न्याय के हित में है कि आरोपियों के खिलाफ जांच की जाए. सीबीआई ने वन और वन्यजीव विभाग में तत्कालीन वरिष्ठ लेखा अधिकारी पारसनाथ यादव और सहायक लेखा अधिकारी आलम सिंह रावत के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश में शामिल होने के आरोप में मामला दर्ज किया था.

अधिकारियों पर क्या है आरोप–दोनों पर आरोप है कि वे बैंक ऑफ बड़ौदा की पहाड़गंज शाखा के तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक एल.ए. खान और अन्य के साथ आपराधिक साजिश में शामिल थे

उज्जैन में लिफ्ट देने के बहाने आटो चालक ने किया दुष्कर्म, काम से लौट रही थी महिला

उज्जैन । निजी अस्पताल में काम करने वाली महिला के साथ आटो चालक द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला काम कर अस्पताल से घर लौट रही थी। उसी दौरान रास्ते में उसे परिचित आटो चालक मिल गया। लिफ्ट देने के बहाने महिला को आटो में बैठाया और अपने घर ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।पंवासा पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला निजी अस्पताल में काम करती है। 2 जनवरी की रात को वह अस्पताल से ड्यूटी कर पैदल अपने घर जा रही थी। मक्सी रोड पर गोपालपुरा ब्रिज के समीप उसे परिचित आटो चालक जीतू कल्ला निवासी नीमनवासा मिला था। जीतू ने महिला को लिफ्ट देकर घर छोड़ने का झांसा दिया।महिला जीतू की आटो में बैठ गई थी। जिसके बाद चालक उसे अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपित ने जान से मारने की धमकी दी। जिस पर महिला घबरा गई। महिला अपने घर पहुंची और दूसरे दिन उसने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने आरोपित जीतू के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

आयुष्मान कार्डो की केवाईसी करके किये वितरण

ग्वालियर। प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित आयुष्मान भारत योजना की कड़ी में आयुष्मान कार्डों की केवाईसी करके खुर्जे बाला मोहल्ला मे वितरण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर दक्षिण के विधायक एवं बीज निगम मंत्री नारायण सिंह कुशवाह जी उपस्थित रहे । सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज के मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर सुनील सिंघल एवं डॉक्टर रोहिणी राठौर जी द्वारा सभी हितग्राहियों का परीक्षण कर उचित परामर्श दिया गया । एवं सुपरवाइजर श्रीमती अनुराधा पराशर जी क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती यामिनी परानडे विशेष रूप से उपस्थित रही। उनके मार्गदर्शन में ए . एन एम .ज्योति राय जी के द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं का टीकाकरण किया गया। उन्होंने सभी का हेल्थ चेकअप कर उचित परीक्षण किया । आभा आईडी एवं एन सी डी फॉर्म भरे गए।आगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता श्रीमती ज्योति सोनी श्रीमती भावना वर्मा श्रीमती गीता सूर्यवंशी वंदना जैन दमयंती रानी शुक्ला प्रीति खोपडे आदि के द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। एवं ई केवाईसी की गई।एवं आभा आई डी बनाई गई। कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के लोगों ने सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। एवं प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

लाल टिपारा गौ-शाला को प्रदेश की आदर्श गौशाला बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन धर्म का आधार ही गौसेवा है। एक साथ सभी देवताओं की पूजा करना हो तो केवल गौमाता की पूजा करने से सभी देवता प्रसन्न हो जाते हैं। लाल टिपरा गौशाला इस बात का उराहरण है कि जहां संतो का प्रताप होता है वहां काम पूरे हो जाते हैं। उन्होने कहा कि लाल टिपारा गौशाला को प्रदेश की आदर्श गौशाला बनाया जायेगा। साथ ही ऐसी अन्य स्थानों पर ऐसी आदर्श गौशाला स्थापित करने के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। आदर्श गौशाला के अध्ययन के लिए अन्य नगर निगम से दलों को भेजा जाएगा। उन्होने लाल टिपरा गौशाला के लिये पांच करो? रूपये देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री ने आज ग्वालियर स्थित लाल टिपारा आदर्श गौशाला के टीन शेड और सीसी रोड कार्यों का लोकार्पण किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अधक्षय नरेन्द्र सिंह तोमर ने गौ पूजन कर गायों को शेड में प्रवेश कराया।इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जो भी व्यक्ति अपने घर में गौपालन कर रहा है वे सभी गोपाल हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद यशोदा मां के आंगन में गाय के दूध, दही, माखन से ही उनका लालन-पालन हुआ था। गौ माता में हमारे 33 करोड़ देवी देवता भी विराजमान है मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक सनातन भूमि है और इसे स्वर्ग बनाने में संतों का ही एकमात्र योगदान है। विश्व के सभी देशों की समस्या है कि उनके कोई संत नहीं है और हमारे यहां संतों के प्रताप से हर अधूरे काम पूरे हो जाते हैं। जहां-जहां भी संतों की उपस्थिति होती है वहां कार्य अपने आप पूर्ण हो जाता है।लाल टिपारा गौशाला के टीन शेड और सीसी रोड निर्माण सांसद निधि से कराया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, संत अच्युदानंद, संत समाज और अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने गौ पूजन कर गायों को शेड में प्रवेश कराया–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सीएसआर फंड से 31 करोड रुपए की लागत से सीएनजी प्लांट भी यहां बनाया जा रहा है जिसमें 7 करोड़ की सीएनजी का उत्पादन होगा जिससे नगर निगम के वाहन चलेंगे। इससे गौशाला को आय भी होगी और उसके संचालन के लिए अतिरिक्त रूप से राशि भी उपलब्ध रहेगी।कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद सदस्य विवेक नारायण कुशवाह, पूर्व मंत्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, संत समाज से ऋषव देव और अन्य संत उपस्थित रहे।केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनके भवन में भी 100 से अधिक गाय हैं और यह राजमाता के समय से परंपरा चली आ रही है। लाल टिपारा स्थित गौशाला को व्यवस्थित बनाने के लिए ग्वालियर के सभी लोगों ने योगदान दिया है।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा की हिंदू धर्म में मान्यता है कि गौ माता के खुर की धूल माथे पर लगाने से जीवन के सभी पाप धुल जाते है। महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांव में बसती है और गांव की आत्मा गाय में बसती है। भारत भूमि की संस्कृति का अभिन्न अंग गाय है इस धरोहर को पीढ़ी दर पीढ़ी हमे संभालना है।विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा की लाल टिपारा गौशाला सेवा में 2004 से जुड़े हुए हैं और लगातार यह प्रयास में है कि गौशाला को व्यवस्थित बनाया जाए जिससे गौ माता का संरक्षण संवर्धन हो सके। इस गौशाला को पूरे विश्व में स्थान मिलेगा । सीएनजी प्लांट लगने के बाद इसको पूरे देश के लोग देखने आएंगे।इंडियन आयल के 31 करोड़ के सीएसआर फंड से गोबर गैस प्लांट लगाया जा रहा है जिसमें 100 टन गोबर और अवशिष्ठ से 7 करोड़ की सीएनजी गैस का उत्पादन होगा। हरित प्रोजेक्ट से पर्यावरण को भी लाभ होगा गायों का संरक्षण होने के साथ अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा।

जिला अस्पताल में श्रीमती रेखा की प्रसव के दौरान हुई मृत्यु की होगी मजिस्ट्रियल जांच

कलेक्टर ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिण्ड को सौंपी जांच

भिण्ड ।कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने जिला चिकित्सालय भिण्ड में श्रीमती रेखा पत्नि श्री चरण सिंह की प्रसव के दौरान मृत्यु होने पर इलाज में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया अथवा नहीं की जांच हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिण्ड को मजिस्ट्रियल जांच हेतु आदेशित किया गया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवा में लापरवाही पाए जाने पर स्टाफ नर्स को निलंबित किया

प्रसव के दौरान हुई मृत्यु के प्रकरण में की कर्रवाई

भिण्ड ।कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने जिला चिकित्सालय भिण्ड में श्रीमती रेखा पत्नि श्री चरण सिंह की प्रसव के दौरान मृत्यु होने के प्रकरण में प्रथम दृष्टया दोषी पाया जाने पर, मरीज को सही ढ़ंग से अटेंड नहीं करने, स्वास्थ्य सेवा में लापरवाही पाए जाने पर स्टाफ नर्स राजकुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

देवरीकला पटवारी निलंतिबत

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में अनुपस्थित रहना पडा भारी

भिण्ड ।विगत 3 जनवरी 2024 को विकसित संकल्प यात्रा शिविर ग्राम देवरीकला में लगाया गया था। जिसमें मौजा हल्का क्र.38 देवरीकला श्री विजयप्रताप सिंह तोमर अनुपस्थित रहने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लहार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री तोमर का मुख्यालय एसडीएम कार्यालय लहार नियत किया है। उनको नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबित पटवारी का प्रभारी श्री नीरज शर्मा पटवारी तहसील लहार को आगामी आदेश तक सौपा गया है।

मंत्री पुत्र से मिले भाजपा नेता ने दी नव वर्ष की बधाई

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह नव वर्ष के अवसर पर दबोह नगर केवरिष्ठ व्यवसाई,भाजपा के पूर्व जिला मंत्री राजा परमाल सिंह गुर्जर व कृष्ण पाल सिंह गुर्जर(सम्भागीय संयोजक चंबल,स्स)ने मप्र मंत्री मंडल विस्तार में नवागत मंत्री बनाये गए भिण्ड जिले की शान राकेश शुक्ला के पुत्र आलोक शुक्ला से मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की।वहीं मंत्री पुत्र आलोक शुक्ला ने चर्चा के दौरान लहार के युवा,हंसमुख,मिलनसार विजयी विधायक अम्बरीश शर्मा की जमकर तारिड़ की।उन्होने कहा कि एक लंबे अरसे बाद लहार में कॉंग्रेस का अंत हुआ है और भाजपा की जीत हुई है आगे उन्होंने कहा कि अब निश्चित ही लहार में विकास की धारा बहेगी और चहुमुखी विकास होगा।

जन समुदाय को शीत लहर (शीतघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी

भिण्ड ।भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी अनुमान के अनुसार शीतकालीन मौसम में प्रदेश के अधिकांश भागों में सामान्य से न्यूनतम तापमान होने की संभावना है। अतः सभी जिला प्राधिकरणों तथा संबंधित सभी विभागों द्वारा प्रदेश में संभावित शीत लहर (शीतघात) के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुये इससे होने वाली क्षति को कम करने के लिये विभागीय एवं जिला स्तर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जायें। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला शीत लहर (शीतघात) कार्य योजना तैयार की जाये। प्रत्येक स्तर (जिला, तहसील, ब्लॉक, विभाग) पर शीत लहर प्रबंधन के लिये एक नोडल अधिकारी नामांकित किया जाये। भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा जारी शीत लहर चेतावनी को जिला कमांड और नियंत्रण केंन्द्र के माध्यम से जन सामान्य तथा संबंधित विभागों तक पहुँचाने के लिये आवश्यक व्यवस्था की जाये।शीत लहर से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों से संबन्धित सुझाव का प्रचार प्रसार होर्डिंग तथा प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, स्थानीय केबल टीवी नेटवर्क, एफएम, सामुदायिक रेडियो से किए जाने की व्यवस्था की जाये। बेघर/प्रभावित लोगों को आश्रय गृहों में स्थानांतरित किया जाये। बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति सड़क /मैदान में पाये जाने पर अलाव की व्यवस्था की जाये।

स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से कम्बलों की व्यवस्था कर उन्हें वितरित किया जाये। स्कूल तथा शैक्षणिक संस्थाओं का कार्य समय, भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा शीत लहर से संबन्धित दी गई चेतावनी अनुसार आवश्यकतानुसार एवं विधिवत स्कूल खुलने के समय में परिवर्तन करने हेतु आवश्यक आदेश जारी किए जायें। जिले में स्थित सभी शासकीय अस्पतालों में शीत लहर प्रभावितों के उपचार के लिये विशिष्ट कार्य योजना बनाई जाये।

शीतलहर से पहले क्या करें- सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें। कपड़ों की कई परतें पहनना भी लाभदायक रहता है। आपातकालीन आपूर्तियों के लिए सभी जरूरी सामान तैयार रखें।

शीतलहर के दौरान क्या करें- जितना संभव हो, घर के अंदर रहें। ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। अपने शरीर को सुखाकर रखें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदलें। इससे शरीर की उष्मा बनी रहेगी। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। नियमित रूप से गर्म पेय पिएं। बुजुर्गो और बच्चों का विशेष ख्याल रखें। शीतदंश के लक्षणों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी या पीलेपन के प्रति सजग रहें। शीतदंश से प्रभावित हिस्से की मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान हो सकता है। शीतदंश से प्रभावित शरीर के हिस्सों को गुनगुने पानी में डालें। कंपकंपी को नजरअंदाज न करें - यह एक महत्वपूर्ण अग्रिम संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। कंपकंपी महसूस होने पर तुरंत घर लौटें।

पं.श्री रमेश चंद्र शर्मा एडवोकेट बस्तूरी वालों की स्मृति में लगा विशाल नेत्र शिविर

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

सेंवढ़ा- 04 जनवरी गुरूवार 2024 को नगर सेंवड़ा में पं.श्री रमेश चंद्र शर्मा एडवोकेट बस्तूरी वालों की स्मृति में विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है।जिसमे अधिक से अधिक संख्या में लोगों ने सम्मिलित होकर सेवा का लाभ लिया।जिसमें नेत्र परीक्षण,दबा वितरण एवम मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जायेगा व मोतियाबिंद ऑपरेशन मुफ्त होंगे।कैम्प के दौरान चस्मे एवम् दवा रियायती दर पर मिले,नेत्र परीक्षण निःशुल्क रहा।जिसमे मरीजो के बी.पी की जांच सुगर की जांच निशुल्क हुई।जिसमे चस्मे की जांच,काला पानी की जांच,आँख से आंसु आना,कॉन्टैक्ट लेंस की जांच एवं परामर्श,आंख से फॉरेन बॉडी को निकालना,चस्मे के नंबर की जांच की गई।कुल 135 मरीजों की जांच हुई व 30 मरीज ऑपरेशन के लिए ग्वालियर गए।अत्याधुनिक मशीनो द्वारा जांच की सुविधा रहेगी।ऑपरेशन हेतु ले जाने के लिए वाहन सुविधा रही जो कि निःशुल्क रही।कैम्प का सफल आयोजन नए थाने के सामने सेवडा में हुआ।

सर लुईस बेल का जन्मदिन एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरण कार्यक्रम

ब्यूरो रीपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे

पाटन/गुजरात। बीआरसी भवन सरस्वती व पाटन समग्र शिक्षा आयोजित चोरमारपुरा स्थित अंबाजी मंदिर में सरस्वती तालुका और कलस्टर स्तर के विकलांग छात्रों जैसे कि नेत्रहीन, विकलांग, मानसिक रूप से मंद और मूक बधिर छात्रों के लिए ÷सर लुईस ब्रेल की जयंती÷ के अवसर पर स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी एन.बी. चावड़ा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री के.के. राणावासिया ममतलतदार सरस्वती, एम. बी मकवाना तालुका प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सरस्वती, क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के निदेशक सुमित शास्त्री, दिलीपभाई नाई बीआरसी सरस्वती, कनुभाई परमार अध्यक्ष श्री अष्टावक्र विकलांग विकास ट्रस्ट कार्यक्रममें उपस्थित रह कर प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया।स्वेटर दानकर्ता पटेल

शंकरभाई वीरचंददास ग्राम-कुवारा सरस्वती तालुक ने सभी विकलांग बच्चों को स्वेटर दान किए। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सभी बच्चों को स्वेटर दिये गये तथा लुई ब्रेल के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर लुई ब्रेल जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों को केक खिलाया। भोजन दाता दिनेशभाई देसाई सीआरसी कोइटा, केक दाता स्पेशियल शिक्षक - सरस्वती तालुक, कार्यक्रम सहयोगी दाता श्री अष्टावरक विकलांग विकास ट्रस्ट, पाटन और सभी सीआरसी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास किये.कार्यक्रम की शुरुआत सीआरसी जयंतिजी और स्पेशियल एजुकेटर महेंद्रभाई द्वारा सूर्यनमस्कार कर महेमानोका स्वागत किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात दिव्यांग बच्चों द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं साल से सम्मान किया गया। दृष्टिबाधित छात्र आकाश ने जब ब्रेल लिपि के माध्यम से अपना परिचय दिया तो उपस्थित सभी लोगों ने बच्चे की क्षमता की सराहना की तथा अन्य दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभा के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन भाटसन प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक नीलेश श्रीमाली द्वारा किया गया।

ट्रांसपोर्ट स्ट्राइक के बाद फिर शुरू हुआ खनन सामग्री भरे ओवरलोड वाहनों की आवाजाही का चलन

लक्सर/ जनपद में ट्रांसपोर्ट स्ट्राइक के बाद खनन सामग्री भरे ओवरलोड वाहनों की आवाजाही का चलन फिर से शुरू हो गया है। जिसके चलते लक्सर से हरिद्वार हाईवे पर आजकल ओवरलोड खनन वाहनों की दिन-रात आवाजाही बेखौफ तरीके से देखी जा सकती है। यह ओवरलोड खनन वाहन शासन प्रशासन से बेखौफ होकर ओवरस्पीड से लगातार सड़कों पर दौड़ रहे है। हरिद्वार लक्सर मुख्य मार्ग पर गोल पत्थर व अन्य खनन सामग्री से ओवरलोड खनन वाहनों की आवाजाही शासन से बेखौफ होकर दिन-रात की जा रही है। फेरूपुर पथरी मार्ग पर भी आबादी क्षेत्र से होते हुए यह ओवरलोड खनन वाहन इस कदर ओवरस्पीड से गुजरते हैं कि कई बार सड़क दुर्घटनाएं होते-होते रह जाती हैं। यहां तक की दोपहिया वाहन चालकों को तो सड़क पर चलना ही दुभर हो गया है। ओवरलोड खनन वाहनों से गिरने वाली बजरी भी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। खनन वाहनों से गिरने वाली बजरी पर दोपहिया वाहन चालकों के साथ दुर्घटनाएं हो रही हैं और इसके कारण ही दोपहिया वाहन चालक घायल हो रहे हैं। शासन प्रशासन से बेखौफ होकर यह खनन वाहन दिन-रात ओवरलोड खनन सामग्री ढोने में लगे रहते हैं। अब तो इन ओवरलोड खनन वाहन चालकों के मन से पुलिस का खौफ भी निकलता जा रहा है। शाम होते ही लक्सर, सुल्तानपुर, फेरूपुर पथरी मार्ग पर ओवरलोड खनन वाहन बेखौफ होकर ओवरस्पीड के साथ दौड़ते हुए देखे जा सकते हैं। पूर्व में भी लक्सर, फेरूपुर, पथरी व कई अन्य मार्गो पर ओवरलोड खनन वाहनों से दुर्घटनाएं हो चुकी है और इन दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान गवा चुके है। वही प्रशासन इन दुर्घटनाओं के बाद भी खनन सामग्री से भरे ओवरलोड वाहनों पर कोई कार्यवाही नही कर रहा है,

एमएसएमई उद्योग विकास के इंजन हैं : मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप

उद्योगों पर दोहरे करारोपण का शीघ्र किया जाएगा समाधान : उद्योग आयुक्त, श्री पी. नरहरि

उद्यम परिचय संवाद 'चेम्बर भवनक्रमें आयोजित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री में आज सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री माननीय श्री चैतन्य कुमार काश्यप के मुख्यातिथ्य में उद्यम परिचय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएसएमई सचिव एवं उद्योग आयुक्त मध्यप्रदेश शासन-श्री पी. नरहरि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का पदाधिकारियों द्वारा फलों की टोकरी भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही, कार्यक्रम में पधारे उद्यमियों द्वारा माल्यार्पण कर अतिथिगणों का स्वागत किया गयाÐ MPCCI अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन में कहा कि सरकार गठन के पश्ड़चात्ड़ आज ग्वालियर एवं चेम्बर भवन में प्रथम बार माननीय एमएसएमई मंत्री जी का आगमन हुआ है, हम उनका हृदय से हार्दिक अभिनंदन करते हैं। आपने विशिष्ट अतिथि-श्री पी. नरहरि जी एवं उपस्थित सभी उद्यमियों का शब्दों से स्वागत करते हुए कहा कि उद्योग, प्रदेश एवं देश के विकास में रीढ की हड्डी की भूमिका अदा करते हैं। इसलिए सरकार को भी उनकी चिंता उनकी महत्वता को दृष्टिगत रखते हुए उसी प्रकार करना चाहिए। आपने आशा व्यक्त कि नवीन एमएसएमई मंत्री एवं उद्योग आयुक्त के नेतृत्व में ग्वालियर अंचल की एमएसएमई का स्वर्णिम भविष्य होगा।

विशिष्ट अतिथि-श्री पी. नरहरि ने इस अवसर पर कहा कि उद्योगपतियों की दोहरे करारोपण की समस्या काफी पुरानी है और इसका उपाय ढूंढ लिया गया है। आपने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पंचायती राज एवं नगरीय निकाय अधिनियम में संशोधन कर, उद्योगपतियों से एक ही कर लिया जा रहा है और उस कर की राशि को समान रूप से बाद में विभक्त कर लिया जाता है। मध्यप्रदेश भी इसी तर्ज पर आपकी इस मांग का समाधान करने जा रहा है। चूंकि इसके लिए पंचायती राज एवं नगरीय निकाय अधिनियम में संशोधन की आवश्ड़यकता है, इसलिए शीघ्र ही यह संशोधन कर, उद्योगपतियों को राहत प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि-एमएसएमई मंत्री-

माननीय श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्ड़य आपसे संवाद करना है ताकि एमएसएमई की बेहतरी के लिए कार्य किए जा सकें। आगामी दौरे पर पूरे एक दिवस उद्योगपतियों से चर्चा एवं औद्योगिक क्षेत्रों के भ्रमण का शेड्यूल निर्धारित कर, आपके बीच आऊंगा। आपने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने विकास के विकेन्द्रीकरण का निर्णय किया है। इसके लिए कैबिनेट की बैठकें प्रदेश के महानगरों में जाकर किया जाना तय किया है। विगत दिवस जबलपुर में यह बैठक आयोजित हो चुकी है और आगामी बैठक महाकाल नगरी उज्जैन में होना है। इसके बाद ग्वालियर में यह बैठक आयोजित होगी। इसका उद्देश्ड़य है कि महानगर के स्थानीय मुद्दों को कैबिनेट की बैठक में रखकर उनका शीघ्र समाधान किया जाए। आपने कहा कि यह एक नये युग की शुरूआत है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने एमएसएमई व स्टार्टअप को प्राथमिकता में लिया है क्योंकि एमएसएमई विकास के ईंजन हैं, जो कि सबसे ज्यादा रोजगार का सृजन करते हैं और प्रदेश के विकास में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन करते हैं। मैं स्वयं एक उद्यमी हूँ, इसलिए सरकार ने मुझे एमएसएमई मंत्रालय सौंपा है। मैं आपकी समस्याओं को बेहतर समझता हूँ। आपने कहा कि उद्योगों की समस्याओं का समाधान हो और नये उद्यमी हताश न होकर यह महसूस करें कि सरकार उनके साथ खड़ी है, ऐसा वातावरण निर्मित करने का प्रयास होगा। हमारा प्रदेश अभी एमएसएमई के विकास में 7वें-8वें नंबर पर है। हम मध्यप्रदेश को एमएसएमई के क्षेत्र में नंबर वन बनाने का प्रयास करेंगे क्योंकि महाराष्ट्र एवं गुजरात में अब सेचुरेशन आ चुका है। इसका हमें लाभ उठाते हुए मध्य प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक प्रदेश बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास करना हैं।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल एवं आभार मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल सहित पूर्व मानसेवी संयुक्त सचिवद्वय-ललित गुप्ता, जगदीश मित्तल, एमएसएमई उपसमिति संयोजक-संजय कपूर, सहसंयोजक-संजय धवन, व्यवसायिक एवं औद्योगिक मेला आयोजन उपसमिति संयोजक-सोबरन सिंह तोमर, सहसंयोजक-प्रकाश रोहरा, कार्यकारिणी समिति सदस्य-राजेन्द्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, राजेश माखीजा, नंदकिशोर गोयल, रामकुमार चौपड़ा, पारस जैन, महेन्द्र साहू, दीपक श्रीचंद जैस्वानी, एवं विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी सहित काफी संख्या में उद्योगपति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ पुष्पांजलि टूडे अश्वनी कुमार

रायपुर,मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम यहां छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की और बधाई दी, इस दौरान छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविंद अवस्थी, प्रदेश संयोजक श्री राजेश मिश्रा ,महासचिव श्री विश्व दीपक राई, कोषाध्यक्ष श्री अनिल पवार, जिलाध्यक्ष सूरजपुर श्री मुकेश गर्ग, जिलाध्यक्ष मुंगेली श्री राजकुमार यादव मौजूद थे,अध्यक्ष श्री अवस्थी ने मुख्यमंत्री जी को श्री रामचत्रित मानस की प्रति भेंट की।

गरियाबंद जिला 11 साल का हुआ और कलेक्टर भी 11 वाँ आगमन होगा लेकिन गरियाबंद जिला चलना तो क्या रेंगना नहीं सीखा है- मुरलीधर सिन्हा

मिलेनियम वर्ष 2000 नवम्बर में छत्तीसगड़ राज्य का उदय हुआ और सत्ता का विकेन्द्रीकरण इसलिये हुआ कि छोटा राज्य बनने से जनता की तकलीफ दूर होगी । राजधानी और न्यायधानी की पहुँच आम जनता के निकट हुई, समय बीता छत्तीसगड़ियों में खुशहाली दिखने लगी और सत्ता के नुमाइंदों ने विकास के अनेक सौगात दिए जिसमें से नवम्बर 2012 गरियाबंद राजस्व जिला मिला, गरियाबंद जिलावासियों की खुशी देखते बनता था कि अब रायपुर से जिला की दूरी 90 किलोमीटर कम हो गई तो विकास के नये पायदान गड़े जायेंगे परन्तु ऐसा नहीं हुआ । भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा बताया कि नया राजस्व जिला गरियाबंद नवम्बर 2012 में बनते ही भाजपा संगठन ने भी मुझे जिला का प्रथम जिला महामन्त्री का पद दिया गया यह बदलाव का सुखद परिणाम रहा है हालाँकि उन्होंने बताया कि अविभाजित मध्यप्रदेश से ही जिला पुनर्गठन आयोग 1998 से गरियाबंद को जिले की माँग करने वालों में स्वयं अग्रणी रहें है । श्री सिन्हा ने बताया कि गरियाबन्द जिला बने 11 वर्ष बीत गये लेकिन जैसे विकास होना चाहिये और जनता को अपनी मूलभूत सुविधाओं एवं आवश्यकताओं को मिलनी चाहिए या समाधान होनी चाहिए जो ऐसा नहीं हो पाया ऐसा लगता है कि जिला गरियाबंद को दौड़ना चाहिए था लेकिन अब तक रेंगना नहीं सीखा है इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है । सरकार ने गरियाबंद नवीन जिला बना है करके अरबों-खरबों के विकास और निर्माण के लिए धनराशि दिये किन्तु भ्रष्टाचार ने अपना पाँव पसार लिया । जिले का

सबसे बड़े अधिकारी कलेक्टर को जाना जाता है, जिले के पूरे विभाग कमान उनके हाथों में होता और जिसे विद्वता और तत्परता के लिये मशहूर माना जाता किन्तु गरियाबंद जिला में अब तक 10 कलेक्टर बदले किन्तु जिले की तकदीर व तस्वीर नहीं बदली । भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि जब वे विद्यार्थी थे तब रायपुर जिला के कलेक्टर हुआ करते थे उस समय नजीब जंग नाम के कलेक्टर (आईएएस) गरियाबंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक साधारण किसान बनकर छापा मारे थे तो स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मच गया था और प्रशासन में चुस्ती दिखता था लेकिन अब ऐसा गरियाबंद जिला में कुछ नहीं दिखता है । अब कलेक्टर को समय सीमा, जन चौपाल और बैठक से फुर्सत नहीं है, सारे मैदानी अधिकारियों का समय कलेक्ट्रेट में गुजर जाता है । आज जिले में सिंचाई, लोक निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल ऐसे अनेक विभागों में विकास दिखता नहीं है, कहीं गुणवत्ता ठीक नहीं तो कहीं लक्ष्य से कम कार्य हो रहे हैं, एक उदाहरण राजिम क्षेत्र पीडब्ल्यूडी विभाग का निर्माण कार्य है राजिम, रावण हथखोज मार्ग में करोड़ों रुपये का सड़क निर्माण कार्य 4 साल बन रहा है किन्तु अधिकारी व ठेकेदार के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं किया गया । आज भी क्षेत्रवासियों को सड़क नहीं बनने का मलाल है । वैसे बिन्द्रानवागड़ क्षेत्र का उड़ीसा तट पर बसे विश्व कीमती पत्थर अलेक्जेंडर ग्राम सेन्दमुड़ा है जिसमें सुगम आवागमन हेतु तेलनदी पर बड़े पुल की स्वीकृति वर्ष 14-15 में हुई थी निर्माण कार्य एजेंसी प्रधानमंत्री सड़क योजना है के ठेकेदार व अधिकारियों के लापरवाही से आज तक पुल अपूर्ण है, ऐसे अनेक अपूर्ण विकास व निर्माण कार्य की फाइल खंगाले तो पहाड़ बन जायेगा ड़ वैसे अनेक विभाग में मन्त्रालय में बजट मिल जाने का बाद भी अधिकारी प्रशासकीय स्वीकृति के लिए भेंट पूजा चड़ाने का बाट जोह रहा है विदित हो कि लोकनिर्माण विभाग का सेतु निगम को गरियाबंद जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रों के लिए बारहमासी आवागमन हेतु सात- आठ पुलों का वित्तीय वर्ष 2022-23 में बजट का प्रावधान किया था और योजना का तकनीकी स्वीकृति विभाग ने तैयार करके प्रशासकीय स्वीकृति के लिए मन्त्रालय भेजा गया था किन्तु उन तक भेंट पूजा नहीं होने से फाइल धूल चांट रहा है अब यूँ कहे कि गरियाबंद जिला बने 12 वाँ साल को पहुँच गये परन्तु अभी चलने को तो दूर अभी रेंगना नहीं सीखा ।

जिले को इस साल मिलेगी एयरपोर्ट सहित कई बड़े निर्माण कार्यों की सौगात

रीवा (पुष्पांजली टुडे)।
रीवा जिला तेजी से विकसित हो रहा है। जिले में कृषि, सड़क, रेलवे, नवीन उद्योगों की स्थापना, स्वरोजगार सहित विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इस वर्ष जिले को कई बड़े निर्माण कार्यों की सौगातें मिलेंगी। चोरहटा हवाई पट्टी का विस्तार कार्य प्रगति पर है। रीवा एयरपोर्ट निर्माण के लिए 230 एकड़ निजी जमीन का भूअर्जन करके निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। रनवे की लंबाई तथा चौड़ाई में वृद्धि का कार्य लगभग पूरा हो गया है। अब 30 मीटर चौड़ा और 1800 मीटर लंबाई का रनवे विमानों की उड़ान के लिए तैयार है। एयरपोर्ट में टर्मिनल भवन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर का निर्माण किया जा रहा है। फरवरी माह के अंत तक इनका निर्माण पूरा होने तथा अन्य सुविधाओं के उपलब्ध होने पर वायुसेवा शुरू हो जाएगी। रीवा में पुर्नघनत्वीकरण योजना के तहत कई बड़े निर्माण कार्य कराए गए हैं। इस योजना के तहत जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय की 5716 वर्गमीटर भूमि पर पुर्नघनत्वीकरण किया जाएगा। इस भूमि से लगभग 30 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त होगी। जिससे मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग का नवीन कार्यालय भवन, नवीन विश्राम गृह का निर्माण कराया जाएगा। पुर्नघनत्वीकरण योजना से ही केन्द्रीय पुस्तकालय परिसर में नवीन भवन के निर्माण एवं पुराने भवन के जीर्णोद्धार का कार्य, लोक निर्माण विभाग के सयुंक्त कार्यालय भवन का निर्माण, नवीन सर्किट हाउस भवन निर्माण तथा कलेक्ट्रेट परिसर रीवा में आधुनिक रिकार्ड रूम का निर्माण किया जा रहा है। इनका निर्माण कार्य इसी वर्ष पूरा हो जाएगा। जल संसाधन विभाग की समान

कालोनी की आवासीय परिसर की 15 एकड़ भूमि पर पुर्नघनत्वीकरण योजना से जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 165 शासकीय आवास, शासकीय मार्तण्ड विद्यालय क्रमांक एक परिसर में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण तथा जिला होमगार्ड कार्यालय में बैरकों का निर्माण प्रस्तावित है। इस योजना से जिला अस्पताल परिसर में नवीन और आधुनिक ओपीडी भवन का निर्माण भी कराया जा रहा है।रीवा के विकास को और अधिक गति प्रदान करने के लिए बेला-सिलपरा रिंग रोड फेज-2 का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे रीवा शहर तथा बाईपास में ट्रैफिक का दबाव कम होगा। इस रिंग रोड में 198 करोड़ रुपए की लागत से 13 किलोमीटर लंबाई की 6 लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके समीप ही रीवा एयरपोर्ट का प्रवेश द्वार है। पुर्नघनत्वीकरण योजना के तहत रीवा में बीहर नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण किया जा रहा है। अब तक नदी के बाबा घाट, पचमठा आश्रम परिसर तथा अन्य स्थानों पर सौन्दर्यीकरण के कार्य, वृक्षारोपण, मंदिरों के जीर्णोद्धार, पाथवे, नाली निर्माण आदि कार्य कराए जा चुके हैं। रिवर फ्रंट का निर्माण पूरा होने से बाड़ एवं जल भराव से मुक्ति मिलेगी तथा पर्यटन की संभावनाओं को बल मिलेगा। यह निर्माण कार्य भी इस वर्ष पूरा होगा। गोविंदगढ़ के रघुराजसागर तालाब की भी साफ-सफाई तथा सुधार के लिए 6 करोड़ रुपए की कार्ययोजना बनाई गई है। यह कार्य भी इस वर्ष पूरा होगा। इसके साथ-साथ तीन औद्योगिक विकास केन्द्रों के निर्माण का भी कार्य इस वर्ष पूरा होने की संभावना है। इन सब कार्यों से रीवा जिले के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री जन आभार यात्रा में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से करेंगे संवाद

रीवा।पुष्पांजली टुडे)।
मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 5 जनवरी को रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.40 बजे रीवा पहुंचने के बाद स्वामी विवेकानंद पार्क में विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसी पार्क से मुख्यमंत्री जी जन आभार यात्रा में शामिल होंगे। कालेज चौराहे पर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा मेधावी विद्यार्थी योजना से लाभान्वित हितग्राहियों से भेंट करेंगे। इसी स्थान पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री छात्र संगठन तथा खिलाड़ियों से भेंट करेंगे। जन आभार यात्रा में इंदौर सेव भण्डार के सामने मुख्यमंत्री डॉ यादव जन अभियान परिषद के जन सेवा मित्रों से भेंट करेंगे। जन आभार यात्रा में जान टावर के सामने मुख्यमंत्री जी का पटेल समाज द्वारा सम्मान किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री जी सरपंच संघ, सचिव संघ तथा कोल समाज के प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। जन आभार यात्रा में मुख्यमंत्री यूनियन बैंक आफ इंडिया के सामने बौद्ध समाज तथा कबीर संघ के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। इसके बाद स्वयंबर मैरिज गार्डेन मोड़ पर मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री आवास योजना तथा किसान सम्मान निधि से हितग्राही संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री संबल योजना के हितग्राहियों तथा विभिन्न सामाजिक पेंशन योजनाओं से लाभान्वितों एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों से भेट करेंगे। जन आभार यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ यादव दुग्ध विक्रय संघ, पूर्व सैनिकों, रोटरी क्लब, लायंस क्लब एवं रेडक्रास सोसायटी के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। मानस भवन के सामने मुख्यमंत्री स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री आभार यात्रा में अधिवक्ता संघ, रीवा व्यापारी महासंघ, केशरवानी वैश्य समाज, युवा व्यापारी संघ एवं नागरिक मंच के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। पुराने बीएसएनएल कार्यालय के पास दवा विक्रेता संघ तथा अनाज व्यापारी संगठन मुख्यमंत्री का सम्मान करेंगे। पीली कोठी गेट पर फल एवं सब्जी व्यापारी संघ, अग्रवाल समाज, वैश्य समाज तथा जैन समाज के प्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री का सम्मान किया जाएगा। जन आभार यात्रा में दीप काम्पलेक्स पहुंचने पर सराफा व्यापारी संगठन तथा दीप काम्पलेक्स व्यापारी संघ द्वारा मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों, सिंधी तथा सिख समाज के प्रतिनिधियों एवं विन्ध्य व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। जन आभार यात्रा के अंतिम चरण में स्वागत भवन मोड़ पर स्वसहायता समूह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ, महिला उद्यमी तथा महिला संगठनों के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री का सम्मान करेंगे। यात्रा के अंत में विभिन्न धार्मिक संगठनों, गायत्री परिवार, युवा उद्यमियों तथा स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों द्वारा मुख्यमंत्री का सम्मान किया जाएगा। जन आभार यात्रा के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा - जन आभार यात्रा में शामिल हो करेंगे जनसंवाद

मुख्यमंत्री आभार यात्रा के बाद आमसभा को करेंगे संबोधित

मुख्यमंत्री संभाग के विकास कार्यों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की आज करेंगे समीक्षा

रीवा (पुष्पांजली टुडे)
।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 5 जनवरी को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री भोपाल से प्रातः 11 बजे वायुयान से प्रस्थान कर प्रातः 11.35 बजे डुमना एयरपोर्ट जबलपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री यहाँ से हेलीकाप्टर से प्रातः 11.40 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12.35 बजे हेलीपैड सैनिक स्कूल रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री हेलीपैड से विवेकानंद पार्क पहुंचकर दोपहर 12.40 बजे जन आभार यात्रा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर यात्रा का शुभारंभ करेंगे। जन आभार यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री कालेज चौराहा, इंदौर सेव भंडार के सामने, जॉन टावर के सामने, यूनियन बैंक के सामने, पवन टेंट हाउस के पास, मानस भवन के सामने, साक्षी ज्वेलर्स के सामने, पीली कोठी के पास, दीप काम्पलेक्स के सामने, वेंकट बाजार के सामने, स्वागत भवन के पास तथा मृगनयनी एम्पोरियम के पास बनाए गए मंचों में हितग्राहियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1.05 बजे जन आभार यात्रा के समापन के बाद आमसभा स्थल एनसीसी मैदान के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1.15 बजे सभा स्थल पहुंचेंगे। सभा स्थल पर जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ यादव विभिन्न निर्माण कार्यों का

शिलान्यास तथा लोकार्पण करेंगे। आमसभा में मुख्यमंत्री डॉ यादव आमसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप हितलाभ वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री 43 स्कूटी, 5 मोटराइज्ड तिपहिया साइकिल एवं 16 तिपहिया साइकिलों का वितरण करेंगे। सभा के बाद मुख्यमंत्री डॉ यादव विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भेंट करेंगे तथा सर्किट हाउस राजनिवास के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार पहुंचकर संभागीय समीक्षा बैठक में कानून और व्यवस्था तथा विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से प्रस्थान कर सैनिक स्कूल हेलीपैड पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री शाम 5.10 बजे हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर शाम 6 बजे डुमना एयरपोर्ट जबलपुर पहुंचेंगे। जबलपुर से शाम 6.10 बजे मुख्यमंत्री वायुयान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 337 करोड़ के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

रीवा (पुष्पांजली टुडे)।
मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 5 जनवरी को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री जन आभार यात्रा में शामिल होने के बाद एनसीसी मैदान में आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगे। आमसभा में मुख्यमंत्री 337 करोड़ 90 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री 326 करोड़ 54 लाख रुपए की लागत के 40 शिलान्यास करेंगे। इसमें 40 सड़कों के निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री 11 करोड़ 36 लाख 40 हजार रुपए के कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इनमें दो स्कूल भवन, केन्द्रीय जेल रीवा की आठ बैरकें तथा नगर निगम रीवा में सड़कों के सुधार एवं नाला निर्माण के 6 कार्य शामिल हैं।

रामनगर नगरी निकाय उपचुनाव के चलते निकाला गया फ्लैंड मार्च

रामनगर मैहर -- नगर परिषद क्षेत्र रामनगर के वार्ड क्रमांक 02 और वार्ड क्रमांक 11 में नगरी निकाय उपचुनाव के चलते स्वतंत्र रूप से भयहीन मतदान कराने के लिए आरो उपखंड मजिस्ट्रेट डा. आरती सिंह एसडीओपी शिव कुमार सिंह सीईओ मुन्नीलाल प्रजापति तहसीलदार अनुराग मरावी सीएमओ लालजी ताम्रकार थाना प्रभारी संतोष तिवारी की संयुक्त टीम ने वार्ड 02 तथा वार्ड क्रमांक 11 में निकाला फ्लैंग मार्च तथा

मतदाताओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या मे मतदान करने की किये अपील की।

पीएससी घोटाले की होगी सीबीआई जांच, होगा युवाओं के साथ न्याय - केदार गुप्ता

सत्ता का दुरुपयोग कर पीएससी में कांग्रेस ने पदों की बंदरबांट

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ
पुष्पांजलि टूडे अश्वनी कुमार
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पीएससी में हुए घोटाले की जांच सीबीआई से कराने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि पीएससी भर्ती परीक्षा में हुए घोटाले को उजागर कर अब प्रदेश के नौजवान के साथ न्याय होगा। पीएससी जैसे पदों में अपने करीबी एवं परिवार के सदस्यों की भर्ती कर प्रदेश के युवाओं के साथ छल करने वालों खिलाफ जांच कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद संभालते ही भूपेश बघेल ने राज्य में सीबीआई जांच जी सहमति वापस ले ली थी। सीबीआई को दूर रखने का मकसद यही था कि चाहे जितनी मनमानियां करने के बावजूद कांग्रेस के कारनामों से परदा न उठे। लेकिन पाप का घड़ा भरते ही उनका भांडा फट

गया।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता कहा कि कांग्रेस की सरकार में आते ही लगातार कई विभागों में भ्रष्टाचार हुए। यहां तक की शिक्षित नवयुवकों के द्वारा दी जाने वाली पीएससी की भर्ती परीक्षा पर भी भ्रष्टाचार किया जिससे छत्तीसगढ़ के होनहार नौजवानों को छत्तीसगढ़ और भारत देश का भविष्य संवारने में सहायक होते उनके साथ भी प्रदेश की भूपेश सरकार ने अन्याय किया। श्री गुप्ता ने कहा कि उस पार्टी और उस सरकार की मानसिकता और संवेदनहीनता किस स्तर की होगी जो अपने ही राज्य के होनहार गरीबा नौजवानों के हक पर डाका डालकर उसे रसूखदारों के परिवारों में बांट दे।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि धन की लालच में सत्ता का दुरुपयोग कर कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने पीएससी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पदों की बंदरबांट की। भाजपा ने अब पीएससी घोटाले की सीबीआई से जांच करने का आदेश दे दिया है अब छत्तीसगढ़ के नौजवानों के साथ न्याय होगा। मोदी की गारंटी का पहिया अब आगे बढ़ता जाएगा। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचारियों एवं अपराधियों की जांच की जाएगी किसी भी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा। छत्तीसगढ़ की जनता और नौजवानों ने भाजपा पर विश्वास किया है उस पर भाजपा खरी उतरेगी।

भाजपा प्रदेश प्रभारी माथुर पहुंचे रायपुर

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ पुष्पांजलि टूडे अश्वनी कुमार
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर आज शाम 5:00 बजे राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मंत्री ओपी चौधरी मंत्री ,टंकराम वर्मा , राजीव अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल,केदार गुप्ता, श्रीचंद सुंदरानी, अमित साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, किशोर महानंद अजय शुक्ला, ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ पुष्पांजलि टूडे अश्वनी कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित होकर भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री माथुर का स्वागत किया।इस दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जब हमने प्रधानमंत्री आवास के लिए आंदोलन किया था तभी हमने कहा था की प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही फैसला लेंगे। बीजेपी जन कल्याण करने वाली सरकार है। गरीबों की कल्याण करने वाली सरकार है। छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने वाली सरकार है। हर विषय पर निरंतर विचार विमर्श कर फैसला लेते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बहुत यात्राएं की है पहले भारत जोड़ो यात्रा और अब न्याय यात्रा निकल रही है। कांग्रेस पार्टी ने किसके साथ न्याय किया है। पहले खुद अपने साथ न्याय करें जनता उनके बारे में क्या सोच रही है यह सभी जानते हैं। पिछले 65 सालों तक इस देश को इस खानदान ने लूटा है।

जहाँ भी अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, उन सबकी जाँच होगी - विजय शर्मा

नशा उन्मूलन के लिए एक अलग सेल बनाया जाएगा, पुलिस और ज्यादा ताक़त से काम करेगी

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ पुष्पांजलि टूडे अश्वनी कुमार
रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पीएससी घोटाले की जाँच सीबीआई को सौंपे जाने के प्रदेश सरकार के आदेश के संबंध में कहा है कि जहाँ पर भी इस तरह की अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, उन सबकी जाँच होगी। लेकिन यह तय है कि जहाँ-जहाँ इस तरह के आरोप लगे हैं, युवाओं में असंतोष है, नौजवानों के साथ अन्याय हुआ है, उन सभी बिंदुओं को जाँच के दायरे में लिया जाएगा।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज कायम किया जाएगा।

अपराधों पर नियंत्रण के लिए भाजपा सरकार पूरी ताकत से काम करेगी। इसके लिए पुलिसिंग को भी दुरुस्त किया जाएगा। अंतरराज्यीय अपराधियों व तस्कर गिरोह पर अंकुश लगाने , सूखा नशा और उसके काले कारोबार के लिए प्रदेश सरकार एक अलग सेल बनाकर काम करेगी जो इस काम को पूरी दक्षता से देखेगा। सीमावर्ती इलाकों से भी इस तरह की तस्करी होती है। प्रदेश सरकार की कोशिश होगी कि इस कारोबार में लगी पूरी चेन को ही नेस्त-ओ-नाबूद करें। सख्ती से कार्रवाई की जाए, जड़-मूल से ही इसे खत्म कर दिया जाए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अपराध और नक्सली हिंसा पर लगाम लगाने के लिए अधिकारियों से कहा गया है कि विभिन्न अस्पतालों में लैंडमैन विस्फोट से पीड़ित जवानों से मिलकर जो दर्द देखा है, वह दर्द शारीरिक के साथ-साथ परिवार के लिए भी बड़ा दर्द है। इस दर्द का हिसाब तो लेना होगा। यूँ ही नहीं छोड़ जा सकता इसे। दर्द का हिसाब लिया जाएगा। नशा है, जिसके कारण अपराध होते हैं। पुलिस और ज्यादा ताकत से काम करेगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार पुलिस के आधुनिकीकरण और सुरक्षा के लिए प्रयासों को गति देगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा और आधुनिकीकरण के लिहाज से काम करेंगे।

बीती रात टोल-कर्मियों पर जानलेवा हमला करने वाले अपनी करतूत छुपाने के लिए थाना प्रभारी बैकुंठपुर पर बना रहे अनावश्यक दबाव

थाने के सामने लगभग 3 घंटे लगाया गया जाम

रीवा (पुष्पांजली टुडे)।
खबर मध्य प्रदेश के रीवा जिले से है जहां जिले की सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के बैकुंठपुर थाना अंतर्गत ग्राम पल्हान स्थित टोल प्लाजा में बीती रात जमकर मारपीट हुई जिसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है बताया गया है कि स्थानीय दबंग भाजपा नेता द्वारा अपना कमर्शियल वाहन निकालने के लिए टोल टैक्स नहीं देना चाहते थे इसी पर विवाद हुआ और फिर आधा घंटे बाद स्थानीय भाजपा नेता अपने लोगों के साथ टोल प्लाजा पहुंची और जमकर मारपीट हुई. हद तो तब हो गई जब इस घटना के बाद ना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायक सक्रिय हुए बल्कि जनपद अध्यक्ष सिरमौर भी

कर रहे लोगों द्वारा जमकर मारपीट की गई और वाहन में बैठाकर ले जाने की तैयारी थी लेकिन पुलिस ने किसी तरह से टोल कर्मचारी को मारपीट करने वालों के चंगुल से छुड़ाया और उसकी जान बचाई। पूरे घटना को देखकर यह लगता है कि पुलिस पर दबाव बनाने की नियत से धरना प्रदर्शन किया गया और सारा दोष थाना प्रभारी पर मढ़ कर पुलिस को बलि का बकरा बना रहे हैं जबकि इस घटना के लिए मारने वाले और मार खाने वाले जिम्मेवार हैं पुलिस की सिर्फ इतनी गलती है कि पुलिस ने दोनों पक्षों की सुनवाई और वीडियो फुटेज देखने के बाद मामला दर्ज करने की बात कही थी वहीं इस घटना से भयभीत टोल कर्मचारी टोल में ताला लगा कर चले गए हैं और टोल नाका पूरी तरह से आज फ्री नजर आ रहा है. मारपीट की घटना में घायल टोल कर्मी संतोष द्विवेदी के साथ पुलिस औ थाने के सामने हुई मारपीट करने वालों के पक्ष में मौके पर क्षेत्रीय विधायक दिव्यराज सिंह के पहुंचने के साथ ही कद्दावर कांग्रेस नेता के धरना स्थल पहुंचने को लेकर अब इस विवाद को दलीय राजनीति से ऊपर जातिगत भावना से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संपादकीय

भाजपा शासन में बेटियों का बुरा हाल

प्रतिष्ठित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के जिन तीन आरोपियों को पुलिस ने घटना के दो माह बाद धर दबोचा है, वे तीनों ही भारतीय जनता पार्टी की आईटी सेल के पदाधिकारी निकले। उन्होंने पहली नवम्बर की रात एक छात्रा के साथ बंदूक की नोक पर इस कृत्य को अंजाम दिया था। घटना में उनकी संलिप्तता पाये जाने के बाद भाजपा ने भले तीनों को पार्टी से निष्कासित कर दिया हो, तो भी यह साबित हो जाता है कि पार्टी के साथ काम करने वाले भले कितनी चरित्र और जीवन मूल्यों की बात करें, उनकी चाल, चेहरा और चरित्र एकदम विपरीत है। ये तीनों वाराणसी आईटी सेल के पदाधिकारी हैं जिनका काम पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों का प्रचार करना होता है। भाजपा के लोगों के जिस प्रकार से अलग-अलग अपराधों में हाथ पाये जा रहे हैं, उससे साफ है कि पार्टी ऐसे लोगों की शरणस्थली बन गई है। लंका पुलिस थाना अधिकारियों के मुताबिक जिन तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके नाम हैं - कुणाल पांडेय, आनन्द उर्फ अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल। कुणाल आईटी सेल का संयोजक है तो सक्षम सह संयोजक। आनन्द भी इन दोनों का सहयोगी बताया गया है। घटना की रात बीएचयू महिला छात्रावास की एक छात्रा रात को घूमने निकली तभी तीनों उसके मुंह को दबाकर एक कोने में ले गये। बंदूक दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसका फोन भी उन्होंने छीन लिया और शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी शिनाख्त हुई जो बुलेट पर सवार होकर आये थे। तीनों आरोपियों के सोशल मीडिया पर उनके फोटो जिन बड़े लोगों के साथ वायरल हो रहे हैं उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आदि हैं। वाराणसी मोदी की लोकसभा सीट है। इस नाते देखना यह है कि क्या 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' का नारा देने वाले मोदी इस बाबत क्या करते हैं। ऐसे ही, कोर्ट के जरिये दोष सिद्धि के पूर्व केवल शक से आरोपियों के घरों, दुकानों यहां तक कि पूरी बस्तियों पर भी बुलडोजर चलाने वाले आदित्यनाथ इन पर वैसे ही कहर बरपाते हैं या नहीं, जैसे कि वे भाजपा विरोधियों पर बरपाते हैं। हालांकि सभी जानते हैं कि ऐसा कदापि नहीं होगा क्योंकि इस देश में दो तरह के कानून चलते हैं पहला भाजपा विरोधियों के लिये और दूसरा भाजपा समर्थकों के लिये। विरोधियों के खिलाफ आरोप लगना ही कार्रवाई के लिये काफी होता है जबकि समर्थकों के दोष साबित हो जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई होनी तो दूर, उन्हें बचाने जाने की कोशिशें भी आखिरी दम तक होती हैं। हाथरस, उन्नाव से लेकर लखीमपुर खीरी तक के मामले बताते हैं कि बलात्कार हो या हत्याएं भाजपाइयों के लिये सब कुछ जायज है। प्रशासन भी उन्हें हाथ लगाने की जुर्रत नहीं करता। इस मामले में संभवतः आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य बहुत ही मजबूत रहे होंगे इसलिये पुलिस को भी कार्रवाई करनी पड़ी होगी। अब देखना तो यह है कि क्या कोर्ट में इनके खिलाफ आरोप साबित हो सकेंगे या ये वैसे ही निकल आयेंगे जिस प्रकार से देश में हुए कुछ अन्य मामलों में आरोपी साफ बच निकले हैं। इस वारदात से कई प्रश्न भी खड़े होते हैं। पहली बात तो यह कि योगी बार बार दावा करते रहे हैं कि उनके प्रदेश में कानून का इतना डर है कि कोई भी महिला गहनों से लदकर आधी रात को अकेली स्कूटी पर घूम सकती है। कोई असामाजिक तत्व उसकी ओर आंखें उठाकर भी नहीं देख सकता। योगी यह भी दावा करते हैं कि अपराधी उनके राज्य से निकल भागे हैं। बीएचयू परिसर तो वैसे भी सुरक्षित माना जाता रहा है क्योंकि उसमें कुलपति का सीधा नियंत्रण होता है। देश भर से बड़ी संख्या में यहां लड़कियां पढ़ती हैं। छात्रावासों में कुलपति, अधिकारियों एवं प्रॉक्टरों की बनाई सुरक्षा व्यवस्था के भरोसे रहकर वे अपना भविष्य बनाने में जुटी रहती हैं। वर्षों से यह व्यवस्था बनी हुई थी, परन्तु देखा यह गया है कि पिछले 8-9 सालों में बीएचयू समेत देश के ज्यादातर श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में सरकार की दस्तंदाजी बढ़ी है। भाजपा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़े कुलपति, कुलसचिव और प्रोफेसर, डीन के हाथों में पूरा प्रशासन आ गया है। साथ ही, इसी विचारधारा के छात्र इन परिसरों का वातावरण दूषित कर रहे हैं। उन्हें पूरा संरक्षण विवि प्रशासन से तो मिलता ही है, स्थानीय पुलिस भी मददगार होती है। पहले बाहरी तत्व परिसरों में मटरगश्ती करने की हिमाकत नहीं कर पाते थे। अब उनका न सिर्फ सीधा प्रवेश हो गया है वरन उन्हें मनमानी व्यवहार करने की भी आजादी है। इससे सिर्फ लड़कियां नहीं बल्कि भाजपा विरोधी विचारधारा का समर्थन करने वाले छात्र-छात्राएं भी असुरक्षित महसूस करने लगी हैं। पहले तो विश्वविद्यालय वैचारिक भिन्नता और अलग-अलग विचारों की अभिव्यक्ति के केन्द्र माने जाते थे। अब ऐसा नहीं है।

कम नहीं है समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका

निशा दानू

लड़कियों को पढ़ने और आगे बढ़ने से क्यों रोका जाता है? समाज उसे बोझ क्यों समझता है? जबकि समाज निर्माण में उसकी भूमिका पुरुषों से कहीं अधिक होती है? लड़के से वंश आगे बढ़ाने का सपना देखने वाला यही समाज भूल जाता है कि उस वंश की नींव एक औरत ही रखती है।

किशोरियों को भी उचित मंच दिया जाए तो वह बखूबी अपनी आवाज बुलंद कर सकती हैं। इसका उदाहरण शहरी क्षेत्र है जहां किशोरियां विकास के हर क्षेत्र में बराबर का योगदान दे रही हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ग्रामीण समाज किशोरियों के प्रति अपनी संकुचित मानसिकता से बाहर निकले और लड़कियों को भी पढ़ने-लिखने से लेकर अपने फैसले खुद करने की आजादी दे। वर्ष 2023 राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण से भारत के लिए ऐतिहासिक रहा है। धरती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लगभग हर क्षेत्र में भारत पहले से बदल गया है। लेकिन अगर किसी चीज में बदलाव नहीं आया है, तो वह है महिलाओं और किशोरियों के प्रति समाज की सोच में बदलाव। भले ही इसी सदी का लगभग एक चौथाई हिस्सा गुजरने को है, लेकिन महिलाओं और किशोरियों के प्रति पुरुषसत्तात्मक समाज अपनी सोच को बदलने के लिए तैयार नहीं है। वह आज भी परंपरा और संस्कृति के नाम पर उन्हें चारदीवारी के पीछे खड़ा देखना चाहता है। भले ही शहरी क्षेत्रों में ऐसी सोच अब कम होने लगी है लेकिन ग्रामीण भारत की सामाजिक स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। यहां समाज आज भी महिलाओं और किशोरियों के प्रति वही पुरानी सोच का हिमायती है जहां वह उन्हें सामाजिक बेड़ियों में ही बंधे देखना चाहता है। शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में जहां परिवर्तन आने लगा है लेकिन देश के दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक ताने-बाने में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया है। इसकी एक मिसाल पहाड़ी राज्य उत्तराखंड का दूरदराज गांव जगथाना है। कपकोट ब्लॉक से करीब 30 किमी और जिला बागेश्वर से करीब 35 किमी दूर यह गांव सामाजिक और आर्थिक रूप से पीछे रहने के साथ साथ वैचारिक रूप से भी पिछड़ा हुआ है। इस गांव में आज भी महिलाओं को अपनी मर्जी से जीने का अधिकार नहीं है। जहां लड़कों को वंश का उत्तराधिकारी तो लड़कियों को बोझ समझा जाता है। इन क्षेत्रों में महिला समानता से अधिक रूढ़िवादी धारणाएं हावी हैं। लड़कियों की तुलना में लड़कों को प्राथमिकता दी जाती है। उनके लिए शिक्षा के विशेष प्रयास किये जाते हैं, जबकि लड़कियों के सपनों को घर की चारदीवारियों तक सीमित कर दिया जाता है। उसे पढ़ाई करने के लिए भी स्कूल कम ही भेजा जाता है जबकि लड़कों की शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। हालांकि नई पीढ़ी की किशोरियां अब इस सोच पर सवाल उठाने लगी हैं। इस संबंध में गांव की एक 16 वर्षीय विद्यार्थी पूजा प्रश्न करती है कि आखिर एक महिला को उसके अधिकारों से वंचित क्यों रखा जाता है? लड़कियों को पढ़ने और आगे बढ़ने से क्यों रोका जाता है? समाज उसे बोझ क्यों समझता है? जबकि समाज निर्माण में उसकी भूमिका पुरुषों से कहीं अधिक होती है? लड़के से वंश आगे बढ़ाने का सपना देखने वाला यही समाज भूल जाता है कि उस वंश की नींव एक औरत ही रखती है। इसके बावजूद समाज लड़कियों को बोझ समझता है और उसे कोख में ही मार देना चाहता है? सिर्फ इतना ही नहीं जाति, समुदाय और रंग के आधार पर भी लड़कियों के साथ भेदभाव किया जाता है। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले स्कूल में लड़कियों को प्रोत्साहित करने की जगह उनका मनोबल तोड़ा जाता है। स्कूल के वार्षिक समारोह में मंच पर भाषण देने के लिए शिक्षक लड़कियों से अधिक लड़कों को प्राथमिकता देते हैं। उनकी संकुचित सोच होती है कि लड़कों की तुलना में लड़कियां बोल नहीं सकती हैं, अपनी बात नहीं रख सकती हैं। जबकि हकीकत इसके विपरीत होता है। यदि लड़कियों का उत्साहवर्धन किया जाए तो वह पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सकती हैं लेकिन घर से लेकर स्कूल और समाज तक उसके मनोबल को कोमल लड़की होने के नाम पर तोड़ा जाता है। इस संबंध में गांव की एक 57 वर्षीय महिला महादेवी कहती हैं कि वह लड़कियों के आगे बढ़ने और उनके आत्मनिर्भर बनने की पक्षधर हैं, लेकिन किशोरियों के प्रति समाज की संकुचित सोच उनका मनोबल तोड़ देती है और वह चाह कर भी अपनी बेटियों का हौसला बढ़ा नहीं पाती हैं। वहीं 40 वर्षीय रेवती देवी कहती हैं कि सरकार ने लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए अवसरों का द्वार खोल दिया है, लेकिन ग्रामीण समाज की नकारात्मक सोच लड़कियों को आगे बढ़ने में बाधा बन जाती है। रेवती देवी की बातों का समर्थन करते हुए 42 वर्षीय शांति देवी कहती हैं कि ग्रामीण समाज को लगता है कि किशोरियों का पढ़ लिख कर आत्मनिर्भर बनना और सही गलत के फैसले पर आवाज उठाना दरअसल उनका सर चढ़ना और मनमानी करना है जो समाज के हित में नहीं होगा। लेकिन यही काम यदि लड़के करें तो समाज को इस पर कोई आपत्ति नहीं होती है। वहीं एक अन्य महिला मालती देवी कहती हैं कि समाज किशोरियों को पढ़ाने में इसलिए भी ज्यादा रुचि नहीं रखता है क्योंकि शिक्षा पर खर्च करने के बाद भी उसके दहेज में पैसे खर्च होते हैं। ऐसे में वह लड़की को शिक्षित करने की जगह गृहस्थी के कामों को सीखने पर अधिक जोर देता है। वहीं 38 वर्षीय निर्मला देवी कहती हैं कि ग्रामीण समाज में लड़कियों को शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बनने का ख्वाब देखने की आजादी तो मिल सकती है, लेकिन उसे पूरा करने की छूट नहीं मिलती है। जागरूकता के अभाव में आज भी ग्रामीण समाज किशोरियों के प्रति संकुचित मानसिकता का ही शिकार होता है। वह कहती हैं कि यह किसी एक परिवार या जाति की सोच नहीं बल्कि जगथाना गांव के चाहे हो या भिन्न समुदाय, किशोरियों और महिलाओं के प्रति सभी की सोच एक जैसी है। जिसे समाप्त करने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि पितृसत्तात्मक समाज में किशोरी शिक्षा के प्रति नकारात्मक सोच केवल पुरुषों की है, बल्कि जागरूकता के अभाव में कई महिलाएं भी लड़कियों की शिक्षा के प्रति उदासीन नजर आती हैं।

बाबरी ध्वंस से राममंदिर: भारतीय राजनीति की बदलती दशा और दिशा

राम पुनियानी

यह वह समय है जब हमें नेहरू के आधुनिक भारत के मंदिरों की संकल्पना और वैज्ञानिक समझ के विस्तार और विकास के प्रयासों को याद करना चाहिए। इस समय धार्मिकता और अंधश्रद्धा को जबरदस्त बढ़ावा दिया जा रहा है। जब हमने औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों को तोड़ा था, तब हमने यह संकल्प लिया था कि अंतिम पंक्ति का अंतिम व्यक्ति हमारा फोकस होगा। परन्तु आज राजनीति अयोध्या के राममंदिर के आसपास घूम रही है। आजाद होने के बाद भारत ने जो दिशा और राह चुनी, उसकी रूपरेखा जवाहरलाल नेहरू के ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी भाषण में थी। नेहरू ने कहा, हमारा की सेवा का अर्थ है लाखों लाख पीड़ितों की सेवा। भारत की सेवा का अर्थ है निर्धनता, अज्ञानता, रोग और अवसर की असमानता को समाप्त करना। हमारी पीढ़ी के महानतम व्यक्ति की अभिलाषा तो यही है कि हर आंख से हर आंसू पोंछा जाए। यह हमारे बस की बात न भी हो, तब भी, जब तक आंसू हैं और पीड़ा है, हमारा काम खत्म नहीं होगा। और इसी रास्ते में उन्होंने भाखड़ा नंगल बांध का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में आधुनिक भारत के मंदिरों की बात कही। हिंदुस्तान टाइम्स अखबार ने लिखा, अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में प्रधानमंत्री ने इन स्थानों को मंदिर और आराधना स्थल बताया जहां हजारों लोग, अपने दसियों लाख बंधुओं के कल्याण की खातिर एक बड़ी रचनात्मक गतिविधि में रत हैं। आधुनिक भारत के मंदिर यह वाक्यांश उस थीम को अपने में समेटे हुए था जो सार्वजनिक क्षेत्र की परिकल्पना का आधार थी और जिस थीम के भाग के रूप में वैज्ञानिक समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना की गयी, अस्पताल बनाए गए और संस्कृति के उन्नयन के लिए विभिन्न अकादमियों का गठन किया गया। आधुनिक मंदिरों के निर्माण का सिलसिला करीब चार दशक तक चलता रहा। सन् 1980 के दशक में इस प्रक्रिया को पलट दिया गया। इस दशक में अल्पसंख्यकों की खातिर शाहबानो फैसले को पलटने के सरकार के निर्णय से विभाजनकारी राजनीति के एक लम्बे दौर की शुरुआत हुई। साम्प्रदायिक ताकतों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ प्रचार युद्ध छेड़ दिया। इसके साथ ही, पिछड़ों और दलितों के कल्याण के लिए सकारात्मक कदम के रूप में मंडल आयोग की रपट लागू करने के निर्णय ने मंदिर राजनीति, जो पहले से ही हिन्दू राष्ट्रवादियों के रणनीतिक एजेंडा का हिस्सा थी, को जबरदस्त बल दिया। नेहरू के आधुनिक भारत के मंदिरों का निर्माण करने की बजाय, मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजे जाने लगे। बाबरी मस्जिद को लेकर खड़ा किया गया विवाद इसी अभियान का हिस्सा था। सन् 1980 में संघ परिवार में एक नए सदस्य का जन्म हुआ। यह सदस्य थी भाजपा। कुछ दिन तक यह नई पार्टी गांधीवादी समाजवाद में आस्था रखने का नाटक करती रही। इसका नेतृत्व नर्म नेता का मुखौटा पहने अटलबिहारी वाजपेयी की हाथ में था। वाजपेयी संघ की विचारधारा में पूर्ण आस्था रखते थे। हिन्दू तन मन, हिन्दू जीवन, उन्होंने अपने बारे में लिखा था। लेकिन उन्होंने बड़ी सफाई से अपने असली हिन्दू राष्ट्रवादी चेहरे को ढंक कर रखा। बाद में उनकी जगह लालकृष्ण आडवाणी ने ले ली। आडवाणी ने मंदिर वहीं बनाएंगे का नारा बुलंद किया। संघ परिवार लोगों को यह समझाने में सफल रहा कि भगवान राम का जन्म ठीक उसी स्थान पर हुआ था जहां बाबरी मस्जिद थी। मंडल आयोग की रपट के लागू होने से राम रथयात्रा को और ताकत मिली। यात्रा अपने पीछे खून की एक गहरी रेखा छोड़ती गई। सन् 1990 के आसपास देश के विभिन्न हिस्सों में इस यात्रा के गुजरने के बाद हुई हिंसा में करीब 1,800 लोग मारे गए। लालूप्रसाद यादव द्वारा आडवाणी की गिरफ्तारी के साथ यह यात्रा समाप्त हो गई। सन् 1992 के छह दिसंबर को जुटे हुए कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद को जमींदोज कर दिया। उन्हें बाकायदा इसका प्रशिक्षण दिया गया था और उन्होंने इसकी रिहर्सल भी की थी। जिस समय मस्जिद तोड़ी जा रही थी, मंच पर आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती भी थे। मंच से एक धक्का और दो, बाबरी मस्जिद तोड़ दो और ये तो केवल झांकी है, काशी, मथुरा बाकी है जैसे नारे लगाए जा रहे थे। बाबरी मस्जिद के गिराए जाने के बाद मुंबई, भोपाल, सूरत और कई अन्य शहरों में भयावह सांप्रदायिक हिंसा हुई। और अंततः हमारी न्याय प्रणाली ने हिन्दू राष्ट्रवादी ताकतों के समक्ष समर्पण करते हुए इस मामले का निर्णय आस्था के आधार पर सुना दिया। फैसले में उन लोगों के नाम लिए गए जिन्होंने मस्जिद के ध्वंस का नेतृत्व किया था मगर उन्हें उनके अपराध की कोई सजा नहीं दी गई। न्यायपालिका ने मस्जिद की पूरी जमीन हिन्दू पक्ष को दे दी। अपनी इस सफलता से आह्लादित संघ परिवार ने देश से और विदेशों से भी भारी धनराशि एकत्र की और उससे बना भव्य राममंदिर अब तैयार है। इसका उद्घाटन पूरे हिन्दू कर्मकांडों के साथ स्वयं प्रधानमंत्री करेंगे। औपचारिक रूप से धर्मनिरपेक्ष सरकार के मुखिया के हाथों यह मंदिर जनता के लिए खुलेगा। जब तक बाबरी मस्जिद थी, तब तक वह भाजपा के चुनाव अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करती थी। उसके बाद से भव्य राममंदिर का निर्माण पार्टी के चुनाव घोषणापत्रों और वायदों का अहम हिस्सा रहा है। गुजरे सालों में मुसलमान अपने मोहल्लों में सिमट गए हैं, देश का साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण हुआ है और भाजपा की चुनावी ताकत में जबरदस्त वृद्धि हुई है। वर्तमान स्थिति का सारगर्भित वर्णन लेखक एएस सिंह ने इन शब्दों में किया है इस सत्ता में आने के बाद से, भाजपा के राजनीतिक उत्थान ने हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाया है। और भाजपा सरकार ने इसी दिशा में कई कदम भी उठाए हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया गया और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पारित किया गया... भारत की नागरिकता को हिन्दुत्व के सिद्धांतों के आधार पर पुनर्परिभाषित कर, भाजपा सरकार ने हमारे संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता के मूल्य के भविष्य और उसकी विरासत को विकृत कर दिया है। अपने मोहल्लों में सिमटे मुसलमान, समाज के हाशिये पर धकेल दिए गए हैं। उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है। मंदिर के उद्घाटन के मौके का इस्तेमाल हिन्दुओं को गोलबंद करने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका और अन्य देशों में प्रवासी भारतीय इससे जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। देश के भीतर, आरएसएस और उसके परिवार के सदस्य हिन्दुओं को इस बात के लिए प्रेरित कर रहे हैं कि या तो वे नए मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में जाएं या उस दिन स्थानीय मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करें। इस समारोह में किसे आमंत्रित किया गया है और किसे नहीं, इसको लेकर भी कुछ विवाद सामने आये हैं। पहले मंदिर ट्रस्ट ने बाबरी मस्जिद के ध्वंस के मुख्य आर्किटेक्ट आडवाणी और उनके नजदीकी सहयोगी मुरली मनोहर जोशी से कहा कि इन दोनों नेताओं की उम्र और स्वास्थ्य में उस समय जबरदस्त ठण्ड पड़ने की संभावना के चलते उन्हें कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए। बाद में शायद इस मसले पर पुनर्विचार हुआ और विहिप ने दोनों को आमंत्रित किया। बाबरी मस्जिद के ध्वंस ने हिन्दुत्ववादी ताकतों को सशक्त किया और अब मंदिर के उद्घाटन का उपयोग ध्रुवीकरण को और गहरा करने और उससे चुनावों में लाभ लेने के लिए किया जा रहा है। लोगों को अयोध्या ले जाने के लिए बड़ी संख्या में विशेष रेलगाड़ियों और बसों का इंतजाम हो रहा है। यह वह समय है जब हमें नेहरू के आधुनिक भारत के मंदिरों की संकल्पना और वैज्ञानिक समझ के विस्तार और विकास के प्रयासों को याद करना चाहिए। इस समय धार्मिकता और अंधश्रद्धा को जबरदस्त बढ़ावा दिया जा रहा है। जब हमने औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों को तोड़ा था, तब हमने यह संकल्प लिया था कि अंतिम पंक्ति का अंतिम व्यक्ति हमारा फोकस होगा। परन्तु आज राजनीति अयोध्या के राममंदिर के आसपास घूम रही है। और उसके बाद, काशी और मथुरा तो बाकी है ही। ऐसे में अंतिम व्यक्ति की किसे चिंता है? नेहरू ने ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी में जो वायदे किये थे, वे सब भुला दिए गए हैं। और देश की हर समस्या, हर असफलता के लिए नेहरू को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

नव् वर्ष का पृथ्वी के लिए नया संकल्प ,जल सरंक्षण एक मात्र विकल्प

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।पृथ्वी की सतह का लगभग 70 भाग जल से आच्छादित है।पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97 समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है शेष मात्र 3 जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियों नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई हैं। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा ने जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के बीच बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, गोदावरी जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जल का भाव के कारण कलह कर रही हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से पानी जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होता जा रहा है। इसका सबसे नवीनतम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर केपटाउन एवं भारत के बेंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में पानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात साफ प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होंगे तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं जिसके कारण मानवता तार तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप ले एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाए। मुंबाईट्स नेशन वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध दवद हवआमदरकमदजारा आर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25 जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17 प्रतिशत है, लेकिन वाले जल की उपलब्धता 4 प्रतिशत से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है यहां जल की उपलब्धता 1 प्रतिशत से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। आगामी एक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा।

चाचौड़ा नगर परिषद की राजस्व शाखा में सहायक राजस्व निरीक्षक इरफान खान को किया निलंबित

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

नगर परिषद की राजस्व शाखा में सहायक राजस्व निरीक्षक इरफान खान को किया निलंबित नगर परिषद में सहायक राजस्व निरीक्षक इरफान खान को स्वयं के फर्जी हस्ताक्षर से दुकान नामांतरण के मामले में निलंबित मुख्य कार्यपालक अधिकारी चाचौड़ा बीनागंज द्वारा आदेश जारी कर सहायक राजस्व निरीक्षक इरफान खान को अप वसूली केंद्र बीनागंज रखा गया निलंबन के दौरान शासन के नियम अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता रहेगी इरफान खान सहायक राजस्व निरीक्षक का चार्ज श्रीमती पदमा सेलर ए आर ए को में सूची तैयार कर सोपा गया है पूर्व में भी नगर परिषद की नामांतरण शाखा में घोटाले हुए जिनकी शिकायत समय-समय पर आम आदमी के द्वारा की गई लेकिन सक्षम अधिकारियों द्वारा शिकायतों को दवा दिया गया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई जिसके परिणाम स्वरुप कर्मचारी के हौसले इतने बुलंद हुए की उन्होंने नगर परिषद की दुकानों के ही फर्जी हस्ताक्षर से नामांतरण कर डालें काश पहले ही कार्रवाई होती तो नौबत यहां तक नहीं आती स्वराज मेल में समय-समय पर घोटाले को उजागर किया जाता रहा है लेकिन अधिकारियों द्वारा संबंधित पर जब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाती जब तक वह खुद उसे घोटाले में फंसना जाएं पूर्व में भी इनके खिलाफ कई शिकायतें की गई लेकिन इस इन पर कोई कार्रवाई नहीं की गईक्योंकि यह मामला नगर परिषद की दुकानों का था इसलिए इन पर कार्रवाई की गई आम आदमी तो आज भी न्याय के लिए भटक ही रहा है

अवैध कब्जाधारियों से 100 हैक्टेयर भूमि मुक्त कराकर 81 सहरिया परिवारों को कराया पुनर्स्थापित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-ग्राम पंचायत कोटा के ग्राम पिपरोनिया में लगभग 100.16 हेक्टेयर भूमि, जो कि ग्राम हातोद एवं ग्राम कोटा में निवासरत सहरिया आदिवासी समुदाय के 81 कृषकों को पट्टे पर प्राप्त हुई थी। इस भूमि को अवैध कब्जेधारियों से म.प्र. भू राजस्व संहिता, 2018 की धारा 250 के अंतर्गत कब्जामुक्त कराकर मौके पर विधिवत सीमांकन कर वास्तविक भूमिस्वामियों को सुपुर्द की गई।ग्राम हातोद में प्रधानमंत्री जन मन योजना के शिविर के आयोजन के दौरान कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी की उपस्थिति में ग्राम वासियों द्वारा उन्हें पट्टे पर प्राप्त जमीनों पर अवैध कब्जे संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये गये। उक्त आवेदनों के निराकरण हेतु कलेक्टर शिवपुरी रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा तहसीलदार शिवपुरी को निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के पालन में न्यायालय तहसीलदार शिवपुरी में म.प्र. भू राजस्व संहिता की धारा 250 के अंतर्गत 81 प्रकरण दर्ज किये गये। उक्त प्रकरणों में विधिवत इश्तहार जारी करने के उपरांत बेदखली आदेश जारी किये गये।उक्त 81 प्रकरणों में पारित आदेशों के पालन में तहसीलदार शिवपुरी सिद्धार्थ शर्मा,राजस्व निरीक्षक प्रमोद शर्मा, राजेश वर्मा, लगभग 70 पटवारी, 50 कोटवार, एवं थाना प्रभारी सुरवाया रामेन्द्र सिंह चौहान अपने दल के साथ उपस्थित हुए। आदेश के पालन में प्रभावी कार्यवाही करते हुए समस्त कृषकों को 23 दलों के माध्यम से मौके पर स्थाई सीमा चिन्हों से मिलान कर विधिवत सीमांकन करते हुये भूमि स्वामियों को अवैध कब्जाधारियों से भूमि मुक्त कराकर कब्जा सौंपा गया।सहरिया ग्रामीणों ने भी सभी का आभार व्यक्त किया।

झूला छाप डॉक्टरों का दबदबा माने या या स्वास्थ्य विभाग की कृपा की सिक्का चल रहा है झोलाछाप डॉक्टरों का

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय

-नगर की हालत यह है कि हर गली मोहल्ले हर रोड पर झूला छाप डॉक्टरों की फौज मिल जाएगी अपनी-अपनी क्लिनिक सजाई सजाये हुए और मरीज का इंतजार करते हुए स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं का क्या हाल है जब मरीज जानते हुए इन झोलाछाप डॉक्टरो से इलाज कर रहे हैं जबकि उन्हें इस बात की जानकारी है कि यह डिग्री धारी डॉक्टर नहीं है और अक्सर मरीजों की हालत खराब हो जाती है परिणाम मरीजों को जान का और माल का चार गुना नुकसान उठाना होता है जब यह हाल तहसील मुख्यालय का है तो फिर ग्रामीण क्षेत्र का क्या कहा जा सकता है इस बात का अंदाजा आमजन भी लगा सकते हैं तो फिर जिम्मेदारों को इस बात का एहसास क्यों नहीं होता या फिर कहें कि सब अधिकारियों की रजामंदी और कृपा से ही हो रहा है तो अतिशयोक्ति नहीं होगीस्वास्थ्य की व्यवस्था खराब होने के कारण ही लोग झोलाछाप डॉक्टरों के पास अपना इलाज करने जाते हैं सवाल उठता है कि यदि सरकारी अस्पताल सुचारू रूप से व्यवस्थित चल रहा है तो मरीज आखिर झूला छाप डॉक्टर के पास योग्य सरकारी डॉक्टर को छोड़कर झूला छाप डॉक्टरों से इलाज क्यों करवा रहे हैं या फिर सरकारी डॉक्टर सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं कर रहे और वह भी निजी क्लीनिक चल रहे हैं तो उनके पास मरीज इलाज को क्यों नहीं जा रहे क्योंकि सरकारी डॉक्टर का निजी क्लीनिक में इलाज इतना महंगा होता है की 80त्न आबादी इस युग अपनी जेब को नहीं समझती की इतना महंगा इलाज करा सके इसलिए जानते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर झूला छाप डॉक्टर से अपना इलाज करती है यह बात जनप्रतिनिधि और शासन के जवाब देह अधिकारियों की समझ में क्यों नहीं आती यह यक्ष प्रश्न जनमानत के दिमाग में उलझा रहता है जिसका जवाब ना अधिकारियों के पास है ना जनप्रतिनिधियों के पास फिर आत्योदय और जन कल्याणकारी सरकार की नीति का क्या ओचित्य तत्कालीन सरकार का हैमुख्य उद्देश्य शिक्षा और स्वास्थ्य निशुल्क प्राप्त हो जनमानस को बिना भेदभाव की परंतु यह नीति केवल नारों में दिखाई देती है फिलहाल मुंगावली क्षेत्र में नहीं?

'घर -घर अक्षत वितरण कर अयोध्या जी का आमंत्रण देंगी राम टोलिया

500 बर्षो के संघर्ष के बाद 22जनवरी को मनाएंगे दीपावली, अयोध्या में विराजेंगे प्रभु *राम ,पूरा चम्पावती होगा अयोध्याधाम

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

हम कितने सौभाग्यशाली है कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के पश्चात जन-जन के आराध्य देव भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को अपनी आँखों से देखने वाले है इसी संदर्भ में अयोध्या से पूजित अक्षत कलश चंपावती नगर में आए हैं 22 जनवरी को हमारे आराध्य का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित होने वाला है इसी कार्यक्रम में सर्वप्रथम चंपावती धाम के प्रसिद्ध देव स्थानो अंबाला वाले गुरु महाराज मंदिर, बड़े गणपति मंदिर ,बागीश नाथ धाम, भारत लाल जी मंदिर एवं छान वाले हनुमान जी मंदिर पर अयोध्या जी का आमंत्रण दिया गया । गायत्री मंदिर पर अयोध्या से आए हुए अक्षत कलश का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में उपस्थित साधू सन्तो एवं कारसेवकों का सम्मान किया गया ,सभी मोहल्ला टोलियों को अक्षत कलश वितरण किये गए। 1 जनवरी से 15 जनवरी तक प्रत्येक घर-घर में अयोध्या का आमंत्रण दिया जाएगा राम भक्त घर घर जाकर संपर्क करेंगे एवं अयोध्या से आए हुए अभिमन्त्रित अक्षत, भगवान राम जी का चित्र एवं एक पत्रक प्रदान करेंगे उसके पश्चात 16 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक गली मोहल्ले में,प्रत्येक हिन्दू घर एवं मंदिरों पर भगवा पताका लगाई जाएगी,बन्दवार बांधी जाएगी ,मंगल गीत गाये जायेगे, साज सज्जा की जाएगी ।मंदिरों पर हनुमान चालीसा ,सुंदरकांड रामधुन का पाठ का आयोजन किया जाएगा पूरे चंपावती धाम को अयोध्या बनाया जाएगा उसी क्रम में घर-घर रंगोली,दीपोत्सव के द्वारा प्रकाश किया जाएगा इस प्रकार यह कार्यक्रम प्राण प्रतिष्ठा तक चलने वाला है पूरे धार्मिक कार्यक्रमों से भारत के साथ-साथ चंपावती भी राममय हो जाएगा सभी बंधुओ से आग्रह है आप भी अपने भगवान राम के कार्य में सहयोगी बने एवं अपने जीवन को धन्य करें ।इस अवसर पर पूज्य संत श्री ,श्रीराम सोनी, जिला संयोजक , ,विश्व हिंदू परिषद,निक्की साहू नगर कार्यवाह,कार सेवक सत्यनारायण नामदेव,मुकेश संत जिला सह शारीरिक प्रमुख एवं सभी मोहल्ला टोली एवं अक्षत कलश वितरन अभियान समिति के कार्यकर्ता एवं रामभक्त उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांसद श्रीमती संध्या राय हुई शामिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर आयोजित की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भिण्ड - दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा भिण्ड शहर में आयोजित मेला परिषद मै संकल्प यात्रा मैं सम्मिलित हुई।जहां उन्होंने ग्रामीण जनों को समृद्ध भारत और विकसित भारत के लिए संकल्प पत्र का वाचन करते हुए शपथ दिलाई।सांसद श्रीमती संध्या राय ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने योजनाओं के माध्यम से लोगों की जिंदगी बदलने का काम किया है। जो हितग्राही योजना का लाभ लेने से वंचित रह गए हैं इसीलिए मोदी जी ने यात्रा के माध्यम से अपनी गारंटी के रथ भेज कर आपकी सरकार आपके द्वारा आपकी योजनाओं को लेकर आई है मेरा आप सभी से आग्रह की जो पात्र हितग्राही योजना का लाभ नहीं ले पाए हैं वह अपना आवेदन प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी के समक्ष आयोजित गांव-गांव की चौपाल शिविर में कर सकते हैं और योजना का लाभ प्राप्त करें।उन्होंने ग्रामीणों को भारत सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि,महिलाओं के लिए निशुल्क उज्वला,प्रधानमंत्री आवास योजना,आयुष्मान भारत कार्ड योजना के माध्यम से 5 लाख तक का इलाज करने की व्यवस्था मोदी की गारंटी की सरकार ने रखी है अब इसकी डेबिट 10 लाख होने जा रही है जो बीमारी में आर्थिक अभाव के कारण अपना इलाज नहीं कर पाते उनके लिए यह कार्ड काफी लाभदायक है, जिन लोगों ने अपने कार्ड नहीं बनवाए हैं वह भी अपने आवेदन कर आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी विकास की योजनाओं के माध्यम से हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर विकास की दिशा से जोड़ने का कार्य किया है।भाजपा सांसद श्रीमती राय ने आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में हितग्राहियों को योजना का लाभ देते हुए उन्हें कार्ड वितरण किया। भाजपा सांसद संध्या राय का ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामीणजनों ने पुष्प हार पहना कर उनका स्वागत किया और वही मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के पास पहुंचकर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उन्हें भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारियां दी। जन समस्या निवारण शिविर में उमंग और उत्साह के साथ लोगों ने पहुंच योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन दिए और तत्काल समस्याओं का निराकरण किया गया। श्रीमती राय ने कहा की मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने भी तत्काल मुख्यमंत्री पद

की शपथ लेते ही उन्होंने चुनावी घोषणा पत्र पर सर्वप्रथम निर्णय लेकर गरीब कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं की घोषणा की केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार आपके सुख को दुख में हमेशा खड़ी रही है और खड़ी रहेगी भिण्ड नगर के मेला ग्राउंड भिंड में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सम्मिलित हुई। कृषि विभाग द्वारा आयोजित फसलों पर छिड़काव करने के ड्रोन मशीन के बारे में भी जानकारी दी। सांसद श्रीमती राय ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभाग द्वारा लगाई गई और आयोजित ही प्रदर्शनी का भी उन्होंने निरीक्षण किया।साथ में भिण्ड जिले के कलेक्टर संजीव कुमार श्रीवास्तव,मुख्य नगर पालिका अधिकारी,नगर पालिका उपाध्यक्ष भानु भदौरिया सुनील बाल्मिक मनोज जैन हेमू राहुल जैन,यश जैन दशरथ सिंह भदौरिया, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशफाक खान अधिकारीगढ़ एवं कर्मचारी गढ़ सहित पार्टी पदाधिकारीगढ़ उपस्थित रहे।सांसद श्रीमती संध्या राय अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत अटेर विधानसभा क्षेत्र के शहर के समस्त जनता जनार्दन से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीण जनों ने ग्राम पंचायत के विकास के बारे में अपनी-अपनी योजनाओं को उनके समक्ष रखा और उनकी समस्याओं को सुना तत्काल उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत करते हुए और मौके पर मौजूद कर्मचारियों एवं अधिकारियों के समक्ष समस्याओं का हाल निराकरण करने के लिए पहल की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले के 11 ग्राम पंचायत में पहुंची जहां शासकीय स्तर पर आयोजित किया जा रहे हैं शिविर में लोगों को आवेदन कराकर उन्हें भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार की गरीब कल्याणकारी योजना से लाभान्वित किया गया यह यात्रा विकसित भारत संकल्प

विधान सभा अटेर पंचायत नीवारी सोई विधान सभा भिण्ड

पंचायत कनावर विधान सभा लहारपंचायत देवरी कला रुरई

विधान सभा मेहगांव पंचायत सिरसी असोखर मानहड़ कनाथर

सीरवी समाज करमनघाट वडेर में खिलाडियों का किया अभिनंदन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद ।अखिल भारतीय सीरवी समाज वालीबॉल महाकुंभ नालासोपारा में भाग लेने वाली मीरपेट स्पोर्ट्स क्लब की दोनों टीमों का सीरवी समाज करमनघाट वडेर के अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, खेल मंत्री धनराज बर्फा एवं समस्त कमेंटी मेंबर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने खिलाडियों का स्वागत अभिनन्दन कर हौंसला बढ़ाया। संस्था के अध्यक्ष ने सभी खिलाडियों को धन्यवाद दिया।

सीरवी समाज वसई वडेर में तीर्थ यात्रियों का किया अभिनंदन

पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई ।सीरवी समाज वसई ज़िला पालघर महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं ने द्वारकाधीश व सोमनाथ ज्योतिर्लिंग यात्रा करके आने पर आज श्रद्धालुओं का कार्यकारणी कमेटी द्वारा भव्य स्वागत किया गया है। इस यात्रा में पूर्व अध्यक्ष रताराम देवड़ा पूर्व सचिव जगदीश सोलंकी, जेपाराम, सुजाराम गेहलोत, मगाराम, खिमाराम, दलपत, चिमनाराम, थानाराम काग, महिला अध्यक्ष हेमा दीदी व उपाध्यक्ष शारदा, बबली सभी महिला व पुरुष सदस्यों का भरपूर सहयोग मिला। इस तीर्थ यात्रा में कुल 88 सदस्य जिसमें 55 महिलाओं व 33 पुरुषों ने लाभ लिया। दिनांक 3 जनवरी -20 24 को यात्रा पुर्ण कर लौटने पर कल वसई वडेर प्रांगण में सवागत सामोरह का कार्यक्रम रखा गया। सभी सदस्यों व परिजनो ने सभी तीर्थ यात्रियों का ढोल नगाड़ों व फुल मालाओं से स्वागत किया गया । इस कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद का लाभ लिया।

सीएमओ ने नाले निर्माण का निरीक्षण कर, मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

भीकनगांव नवागत सीएमओ श्री प्रकाश चित्ते ने गत दिवस बुधवार को नगर में 262 लाख रुपए से एसडीआरएफ अंतर्गत हो रहे नाले निर्माण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ श्री चित्ते ने उपयंत्री सुश्री सोनिका मंडलोई को ठेकेदार से समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नगर के मुख्य मार्गो पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर परिषद के अमले को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अतिक्रमण के संबंध में दुकानदारों को आवश्यक समझाइश दी है।

होटल ढाबों पर आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाही जारी,

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

06 हजार की अवैध मदिरा जप्त, 06 आरोपी गिरफ्तार

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में कसरावद वृत द्वारा आज 04 जनवरी को सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बसंत भीटे के नेतृत्व में अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही की है। आबकारी दल ने वृत कसरावद के ग्राम खलबुजुर्ग, खलटका, सिंगाचौरी तथा मरालफाटा के होटल ढाबों पर दबिश देकर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मालवीय द्वारा 34(1) क, 36 के 06 प्रकरण पंजीबध्द कर 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।अबकारी दल ने इन स्थानों से 47 पाव देशी मदिरा प्लेन,16 केन बीयर तथा 4 बाटल विदेशी मदिरा बीयर जप्त की है। जप्त मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 06 हजार रुपए है। कार्यवाही में आबकारी आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे, का सराहनीय योगदान रहा।

रोटरी क्लब के सौजन्य से हुआ वस्त्र वितरण

व्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा रोटरी क्लब एटा और इनरव्हील क्लब एटा के संयुक्त प्रयास से गंजडुंडवारा रोड पर स्थित कई ईंट भट्टो पर दो दिन से रोज जाकर जबरदस्त ठंड से जूझ रहे मजदूरों और उनके बच्चों को गर्म कप? , स्वेटर, जैकेट ,टोपा, मोजा ,पजामा , कम्बल उनकी जरूरत को पूर्ण करने का अथक प्रयास जारी रखते हुए भोजन समिग्री के साथ बांटे सभी को पूरी सब्जी के पैकेट भी दिये, रोटरी क्लब एटा हर समय समय पर समाज के छेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाने में पीछे नहीं रहती है इस कार्यक्रम मे रोटरी क्लब एटा की तरफ से अध्यक्ष नीरज गुप्ता , कोषाध्यछ साजन देव वार्ष्णेय, डॉयरेक्टर सनी जैन , और ऋषभ गुप्ता शामिल हुए व इनरव्हील क्लब एटा की तरफ से नेहा जैन , ज्योति गुप्ता, साधना देव,रितिका जैन ,नेहा जैन, दिव्या राज् सक्सेना आदि शामिल हुए

पंडित चंद्रकिशोर व्यास स्मृति साहित्य अलंकरण सम्मान समारोहः वरिष्ठ साहित्यकार और कवि स्व. रमेश गोहिया का किया गया पुण्य स्मरण

डॉ. एसआर गट्टानी हुए सम्मानित

सीहोर। गत दिवस स्थानीय नारायण पैलेस के सभागार में महर्षि व्यास सांस्कृतिक मंच द्वारा महर्षि व्यास साहित्य अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर अलंकरण समारोह के संस्थापक सदस्य रहे नगर के वरिष्ठ साहित्यकार स्व. श्री रमेश गोहिया का सभी उपस्थितजनों ने पुण्य स्मरण किया और दो मिनट का मौन धारण कर अपने प्रिय कवि को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में शहर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एसआर गट्टानी को %%महर्षि व्यास साहित्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार प्रमोद जोशी %गुंजन ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पिछ?ा वर्ग आयोग मध्यप्रदेश के सदस्य राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री सीताराम यादव, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री अखलेश राय तथा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष

प्रदीप चौहान थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया। सरस्वती वंदना कवि जोरावर सिंह ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. विजेंद्र जायसवाल ने किया। अतिथियों को बैज लगा कर, अंग वस्त्र एवं पुष्माला पहनाकर सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष शैलेंद्र व्यास एवं उपाध्यक्ष जितेंद्र व्यास ने किया। स्वागत भाषण देते हुए शैलेंद्र व्यास ने कहा कि विगत 9 वर्षों से पूज्य पिता श्री की स्मृति में यह आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न होता आ रहा है । आगे भी यह इसी तरह चलता रहेगा। मंच के सचिव निलेश मोदी ने गुरु जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनके जीवन की मुख्य घटनाएं बताई। राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त मुख्य अतिथि श्री सीताराम यादव ने कहा कि यह बड़े गौरव की बात है कि पिछले 9 वर्षों से पिताजी की पुण्यतिथि पर साहित्यकारों को बुलाना और उन्हें सम्मान देना सच्ची श्रद्धांजलि है। वही वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय ने कहा कि महर्षि व्यास जी महान हस्ती रहे हैं। उन्हें सिद्धपुर की धरा से अटूट प्रेम था। अपनी अंतिम सांस तक उन्होंने सिद्धपुर की धरा को नहीं छोड़ा।इस अवसर पर अतिथियों द्वारा आमंत्रित कवियों का सम्मान पुष्पमाला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र

भेंट कर किया गया। साथ ही विगत आयोजनों मे अहम भूमिका निभाने वाले गीतकार स्व. श्री रमेश गोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनिट का मोन धारण किया। अवसर पर काव्य पाठ करने वाले कवियों में नगर के हास्य कवि सरदार जयमल सिंह रजपाल, प्रमोद जोशी गुंजन डॉ. एस. आर. गट्टानी, हरिओम शर्मा दाऊ, द्वारका बांसुरिया, नारायण नवरंग, विनोद पंसारी, संतोष जैन संतु, जोरावर सिंह, डॉ. मंगलेश जायसवाल, हीरालाल शर्मा, राम सिंह परमार, डॉ. गिरीश जोशी नलिन, लक्ष्मण सिंह चौकसे, नीतिश जयसवाल ,जितेंद्र राठौर डॉ. विजेंद्र जायसवाल आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम में डॉ. कैलाश अग्रवाल, बृजमोहन सोनी, राधेश्याम अग्रवाल, श्रीमती मनोरमा शर्मा, श्रीमती कृष्णा शर्मा, एडवोकेट राजेश तिवारी , उज्जैनी तीर्थ पुरोहित रूपम जोशी, शैलेश तिवारी , हेरम्य व्यास, रीमा तिवारी, सतीश भार्गव ,संजय त्यागी ,श्याम त्यागी, हिमालय गोहिया, बालमुकुंद राय, दिलीप गांधी, डॉ. रवि जायसवाल, आशीष गुप्ता, शैलेंद्र गहरवार, निलेश जैन, मनोज सिसोदिया, गौतम शाह, यश जायसवाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अंत में आभार महर्षि व्यास सांस्कृतिक मंच की सचिव श्रीमती मोनिका व्यास ने माना।

विकसित भारत संकल्प यात्रा 22 ग्रामों और 02 नगरीय क्षेत्रों के भ्रमण पर

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

विकसित भारत संकल्प यात्रा 05 जनवरी को जिले की 22 ग्राम पंचायतों और 02 नगरीय क्षेत्रों के पर रहेगी। इस दौरान यात्रा सेगांव विकासखण्ड की ग्राम पंचायत उपड़ी और पनाली में, खरगोन विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मेनगांव और नारायणपुरा में, गोगावां विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सोलना और रूपखेड़ा में, भीकनगांव विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सांगवी और अमनखेड़ी में, भगवानपुरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सिरवेल और मोहनपुरा में, झिरन्या विकासखण्ड की ग्राम पंचायत दामखेड़ा और मुण्डिया में, सनावद सर्कल की ग्राम पंचायत डालची सेल्दारबालाबाद और दाभड़ में, महेश्वर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत माचलपुरा और बिलबाउड़ी में, बड़वाह विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सुरपाला और मोगरगांव में, कसरावद विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रेगवां और रूपखेड़ा में तथा पिपलगोन सर्कल की ग्राम पंचायत हीरापुर और खामखेड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का भ्रमण रहेगा।इसी तरह भारत संकल्प यात्रा नगरीय क्षेत्रों में भी भ्रमण करेगी। वहीं यात्रा के तहत केन्द्र सरकार की योजनाओं से संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा शिविर लगाएं जाएंगे। यह शिविर भीकनगांव नगर परिषद के वार्ड नंबर 12 विठ्ठल मंदिर चौक में और खरगोन शहर के वार्ड 07 बजरंग नगर पानी की टंकी के पास जैतापुर में में शिविर आयोजित होंगे।

शाजापुर कलेक्टर को हटाना सही फैसला: पूर्व मुख्यमंत्री उमाश्री भारती

सीहोर। पूर्व मुख्यमंत्री बीजेपी की फायर ब्रांड नेत्री उमा भारती गुरुवार को प्रदेश की राजधानी भोपाल से अचानक सीहोर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने शहर के प्राचीन गणेश मंदिर में पूजा अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए उमा भारती ने शाजापुर कलेक्टर को हटाने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस फैसले को सही ठहराया और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता और सरकार के सेवक हैं। सेवक को सेवक की तरह ही बात करनी चाहिए। अयोध्या जाने के सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे 6 दिन पहले बुलाया गया है। निमंत्रण पत्र भी मिल गया है। मैं वहां 18 जनवरी को पहुंचूंगी।मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज के बयानों को लेकर कहा उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि मैं उनकी प्रवक्ता नहीं हूं। इसका जवाब वही देंगे।

पूर्व मुख्य मंत्री उमा भारती ने अयोध्या को लेकर कहा कि भूमिका तो हो चुकी है। मुझे निमंत्रण पहले ही आगया,मुझे तो 6 दिन पहले बुलाया गया है। मैं 18 को पहुंच जाऊंगी। लोकसभा की बात नही करूंगी अभी तो अयोध्या में मगन हूं।

कलेक्टर ने ट्रांसपोर्टर, पेट्रोल पंप संचालक एवं एलपीजी गैस संचालकों के साथ की बैठक

अन्य जिलों के मार्गों से गुजरने वाले वाहनों को नहीं होगी परेशानी

.कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ट्रांसपोर्टर, पेट्रोल-डीजल पंप संचालक और एलपीजी गैस के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, एसडीएम बलवीर रमन, डीएसओ सीताराम कोठारे उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जी.आर. ने पेट्रोल पंप संचालक एवं ट्रांसपोर्टर के सामग्री लाने ले जाने वालो वाहनों को आने जाने में हो रही समस्याओं को सुना एवं सुझाव लिए। साथ ही डीजल पेट्रोल की उपलब्धता की जानकारी ली।कलेक्टर श्री जी.आर. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तत्काल ड्राइवरों के लिए जो सामग्री लेकर आ रहे वाहनों को रास्ते में कोई समस्या न हो जिसके समाधान के लिए तत्काल कंट्रोल रूम बनाएं। सभी से समन्वय स्थापित करें। कलेक्टर श्री जी.आर. ने पेट्रोल डीजल वाहनों के संचालकों से रूट चार्ट मांगे। उन्होंने कहा जहां समस्या आएगी वहां पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। जिससे वाहन को अन्य जिलों से अपने जिले तक आसानी से आ सके। उन्होंने अन्य जिलों के प्रशासन से भी बात कर समस्या को दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने डीएसओ को निर्देशित किया की सभी वाहन चालकों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाए तथा आने वाली समस्याओं को तत्काल संज्ञान में लेकर निपटाएं। उन्होंने कहा आम जनता को कोई असुविधा न हो इस बात का ध्यान रखें। कलेक्टर श्री जी.आर. ने अधिकारियों को वाहन चालकों के साथ भी बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा बस एवं ट्रक संचालकों से कहा कि ड्राइवरों को जो समस्याएं हैं, लिखित में भेजे जिला स्तर पर जो संभव होगा समाधान किया जाएगा

माधुरी दीक्षित

ने पति और बच्चों संग सिद्धिविनायक मंदिर में लिया बप्पा का आशीर्वाद, तस्वीरें आईं सामने

हिंदी सिनेमा की धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित (Madhuri Dixit) ने नए साल का स्वागत पार्टी करके नहीं, बल्कि बप्पा का आशीर्वाद लेते हुए किया है। मंगलवार को 56 साल की माधुरी अपने परिवार के साथ मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंचीं।

बप्पा का आशीर्वाद लेकर माधुरी ने शुरू किया नया साल

मंगलवार को माधुरी दीक्षित अपने परिवार के साथ सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में माधुरी को अपने पति श्रीराम नेने, दोनों बेटों और मां के साथ देखा गया। इस दौरान एक्ट्रेस प्रिंटेड सूट में नजर आ रही हैं। वहीं, उनके बच्चों और पति ने लाल रंग का कुर्ता पहना था। सामने आई तस्वीरों में माधुरी और उनके परिवार पूरी तरह भक्ति में डूबे हुए नजर आए।

एक्ट्रेस से प्रोड्यूसर बनीं माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित 90 के दशक की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। सालों तक अपने

अभिनय का जादू चलाने के बाद अब माधुरी प्रोड्यूसर भी बन गई हैं। माधुरी के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी मराठी फिल्म पंचक (Panchak) 5 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। नए साल के साथ-साथ यकीनन माधुरी ने अपनी फिल्म की कामयाबी के लिए बप्पा का आशीर्वाद लिया है।

माधुरी दीक्षित फैमिली

बात करें माधुरी के पर्सनल लाइफ की तो एक्ट्रेस ने अपने करियर के पीक पर आकर डॉक्टर श्रीराम नेने के साथ साल 1999 में शादी कर ली थी और विदेश में शिफ्ट हो गई थीं। हालांकि, बाद में वह अपने परिवार के साथ वापस मुंबई आ गई थीं और वहीं बस गई थीं। माधुरी और श्रीराम के दो बेटे हैं- एरिन और रयान। माधुरी को आखिरी बार वेब सीरीज द फेम गेम में देखा गया था।

मालदीव में साइकिल चलाते हुए खंबे से टकरा गईं Twinkle Khanna, गिरते-गिरते बचीं अक्षय कुमार की पत्नी

अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. ट्विंकल एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए हर मुद्दे पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटती हैं. ट्विंकल का सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है. ट्विंकल अपनी फैमिली के साथ वेकेशन मनाने के लिए मालदीव गई हुई हैं. जहां पूरी फैमिली के साथ उन्होंने अपना बर्थडे भी सेलिब्रेट किया था. ट्विंकल ने अब एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उनकी साइकिल एक खंबे से टकरा जाती है.वीडियो में ट्विंकल ने अपने पूरे ट्रिप की झलक दिखाई है. जिसकी शुरुआत में ही ट्विंकल साइकिल चलाती नजर आ रही हैं और उनका बैलेंस बिगड़ जाता है और वह खंबे से टकरा जाती हैं.

अक्षय ने किया ऐसे रिएक्ट

खंबे से टकराने के बाद ट्विंकल अपनी हंसी नहीं रोक पाती हैं और उतर जाती हैं. वहीं इस वीडियो में अक्षय तो नजर नहीं आ रहे हैं लेकिन नकी हंसी सुनाई दे रही है. वह जोर-जोर से हंस रहे हैं.ट्विंकल ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- मेरी बाइक को खंबे से टकराने के अलावा, यह सचमुच स्वर्ग था. यह एक ऐसी छुट्टी भी रही है जहां जीसस से एक कदम आगे बढ़ते हुए, जिसने पानी को शराब में बदल दिया था, मैंने तो वाइन को सेल्युलाइट में बदलकर अपना रूपांतरण कर लिया है. अब देखते हैं कि मैं कोई दूसरा जादू करके सिचुएशन को रिवर्स कर सकती हूं.

फैंस ने किए कमेंट

ट्विंकल के वीडियो पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- सर की हंसी की आवाज मैम के लिए. दूसरे ने लिखा- आप दोनों साथ में खूबसूरत लग रहे हैं. वहीं एक ने लिखा- वाह क्या बात है.वर्कफ्रंट की बात करें तो ट्विंकल खन्ना एक्टिंग छोड़कर बुक्स लिखने लगी हैं. वह अब तक कई किताबें लिख चुकी हैं.

करण जौहर के शो में डेटिंग कंफर्म करने के बाद पहली बार शिखर पहाड़िया संग स्पॉट हुईं Janhvi Kapoor , वायरल हो रहा वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी के शिखर पहाड़िया को डेट करने के रूमर्स काफी समय से फैले हुए हैं. इस बीच करण जौहर ने अपने टॉक शो कॉफी विद करण का लेटेस्ट प्रोमो जारी किया है. जिसमें जाह्नवी कपूर अपनी बहन खुशी कपूर संग पहुंचीं थीं. इस दौरान जाह्नवी ने शिखर के साथ अपने रिलेशनशिप को कंफर्म कर दिया. वहीं अब वायरल हो रही क्लिप के बाद पहली बार जाह्नवी और शिखर को बोनी कपूर, खुशी कपूर और वेदांग रैना के साथ स्पॉट किया गया है.

डेटिंग कंफर्म करने के बाद पहली बार एक साथ स्पॉट हुए जाह्नवी और शिखर

वायरल हो रहे वीडियो में जाह्नवी कपूर और खुशी को कैजुअल एथलीजर में एक बिल्डिंग से बाहर निकलते देखा जा सकता है. उनके बाद शिखर और वेदांग भी बाहर आते हैं. इस दौरान शिखर ने चेकर्ड शर्ट पहनी हुई थी वहीं वेदांग ने भी सफेद टी-शर्ट और स्वेटपैंट में अपने लुक को कैजुअल

रखा था.

कॉफी विद करण 8 में जाह्नवी ने शिखर संग डेटिंग की कंफर्म!

दरअसल कॉफी विद करण 8 के लेटेस्ट प्रोमो में, करण ने जाह्नवी कपूर से पूछा था, अपनी स्पीड डायल लिस्ट में तीन लोगों के नाम बताएं. इस दौरान जाह्नवी ने तुरंत जवाब देते हुए कहा, पापा, खुशु और शिकू, हालांकि ये बोलने के बाद जाह्नवी को तुरंत एहसास हुआ कि उसने शिखर पहाड़िया को भी मेंशन कर दिया है. इसके बाद अब खबरें फैल रही हैं कि जाह्नवी ने शिखर संग अपने रिलेशनशिप को कंफर्म कर दिया है.बता दें कि जाह्नवी कपूर ने पहले शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियली अनाउंस नहीं किया है. हालांकि रूमर्ड कपल को अक्सर लंच और डिनर डेट पर स्पॉट किया गया.

अदिति राव हैदरी

ने Siddharth के साथ अपने रिलेशनशिप पर लगाई मुहर, फैंस बोले- परफेक्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी पिछले कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. रिपोर्ट्स की माने तो अदिति एक्टर सिद्धार्थ को डेट कर रही हैं. हालांकि अभी तक अदिति ने इन खबरों पर चुप्पी साधी हुई थी. अब अदिति ने सोशल मीडिया पर सिद्धार्थ के साथ फोटो शेयर करके अपने रिलेशनशिप को कंफर्म कर दिया है. न्यू ईयर के मौके पर अदिति ने फैंस को ये तोहफा दिया है.अदिति ने सिद्धार्थ के साथ रोमांटिक सेल्फी शेयर की है. अदिति ने फोटो शेयर करते हुए लिखा जादुई खुशी, प्यार, हंसी, यूनिकॉर्न और फेयरी डस्ट के लिए। आप सभी को नए साल की शुभकामनाएं. अदिति के पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट करके उन्हें बधाई दे रहे हैं.

फैंस ने किए कमेंट

अदिति के पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- परफेक्ट बन. वहीं दूसरे ने लिखा- आखिरकार मैं आपको खुश देखकर खुश हूं, और आपने सही पार्टनर चुना है जिससे मैं जलता नहीं हूं. वो बहुत अच्छे इंसान हैं. खुश रहो. वहीं एक ने लिखा ये बहुत अच्छा है.

तलाक के बाद दोनों बढ़े जीवन में आगे

सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी दोनों की ही पहली शादी टूट चुकी है और तलाक भी हो चुका है. अदिति और सिद्धार्थ अब साथ में एक साथ आगे बढ़ रहे हैं. अदिति की पहली शादी सत्यदीप मिश्रा से हुई थी. दोनों ने अपनी शादी को छिपाकर रखा था. बाद में दोनों अलग हो गए थे. वहीं

सिद्धार्थ की बात करें तो उन्होंने पहली शादी 2003 में की थी. ये शादी ज्यादा नहीं चल पाई थी और कपल 2007 में अलग हो गया था.वर्कफ्रंट की बात करें तो अदिति आखिरी बार बॉलीवुड फिल्म पद्मावत में नजर आई थीं. इसके बाद वह कई साउथ की फिल्मों में काम कर चुकी हैं.

15 जनवरी तक थानों की सीमाओं का करें निर्धारण: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर संभाग की कानून व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिलों में पुलिस थानों की सीमाओं का निर्धारण 15 जनवरी तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए एसडीएम स्तर पर सभी जनप्रतिनिधियों की बैठक में विचार-विमर्श कर थानों की सीमाओं के प्रारंभिक निर्धारण के बाद दावे-आपत्तियों का निराकरण किया जायेगा। इस प्रकार 15 जनवरी तक सीमा निर्धारण संबंधी सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाए।मुख्यमंत्री ड़ॉ. यादव ने जबलपुर में संभागस्तरीय कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रभावी और आदतन गुंडे और बदमाशों पर सख्त कार्रवाई की जाये। उन पर शिकंजा कसा जाना ज्यादा आवश्यक है। जिससे निचले स्तर तक यह संदेश पहुंचे कि प्रशासन द्वारा आपराधिक कृत्यों में लिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कानून व नियम का उद्देश्य भी यही है। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि खुले में मांस मछली के विक्रय पर सख्ती से प्रतिबंध लगायें। खुले में इसका व्यवसाय नही हो, इसके विक्रेताओं को जब तक पक्का निर्माण नहीं हो जाता तब तक अभी फिलहाल शेड युक्त मार्केट बना कर दिया जाय और समुचित स्थान उपलब्ध कराए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेलों में सजा पूरी कर लेने वाले बंदियों के मानवीय पहलुओं पर विचार करते हुए जिला जेल और पुलिस बल मिलकर योजना बनायें। उन्होंने जिलों में ओपन जेल बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में पुलिस का बैंड होना चाहिए। जिससे राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शासकीय बैंड का उपयोग हो इसके लिए जिन जिलों में बैंड दल नहीं है, वहां एसएएफ की कंपनियों और पुलिस बल में नई भर्ती के जवानो को प्रशिक्षण देकर पुलिस बैंड दल बनाया जाए।इसके अलावा पुलिस द्वारा पूर्व में जिलों में प्रारंभ हुई लर्निंग कक्षाओं के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि इस तरह सेवा और साख बढ़ाने का बेहतर काम करने वालों को सम्मानित और पुरस्कृत किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग में हाल ही में हुई पदोन्नतियों के संबंध में कहा कि पदोन्नति पाने से छूट गये पात्र और योग्य प्रमोटी

पुलिस कर्मियों की भी पदोन्नति की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धारित आवाज की सीमा के भीतर ही लाउडस्पीकर चलें। उन्होंने डीजे सहित अधिक आवाज करने वाले यंत्रों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये। इसके अलावा कलेक्टर, एसपी स्थायी और अस्थायी लाऊड स्पीकर के मामलें को गंभीरता से लें। अस्थायी तौर पर विभिन्न आयोजनों के लिए अनुमति का प्रावधान है। कलेक्टर्स इस पर विशेष निगरानी रखें।

2773 स्थानों से स्पीकर हटाये, 218 की जमानत निरस्त-इसके पहले कानून व्यवस्था के सम्बंध में जबलपुर और बालाघाट रेंज की कार्रवाई के संबंध में बताया गया कि जबलपुर और बालाघाट रेंज को मिलाकर कुल 218 की जमानत निरस्त की गई है। साथ ही 2773 स्पीकर हटाये गए है। इस मसले पर सीएम डॉ. यादव ने निर्धारित आवाजों में स्पीकर संचालन और अधिक आवाज वाले यंत्रों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, केन्द्रीय इस्पात खजुराहो सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी डी शर्मा, संभाग के सभी जिलों के सांसद व विधायकगण, महापौर, सहित मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, जबलपुर संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार और ए डी जी पी चंचल शेखर , मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह, आयुक्त जनसंपर्क संदीप यादव संभागायुक्त अभय वर्मा ए. डी. जी. पी. उमेश जोगा, आर. पी. बालाघाट संजय कुमार और सभी संभाग के जिलों के कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थे।

भगवान श्रीराम लला की शोभायात्रा की तैयारी के लिए आवश्यक बैठक 4 को

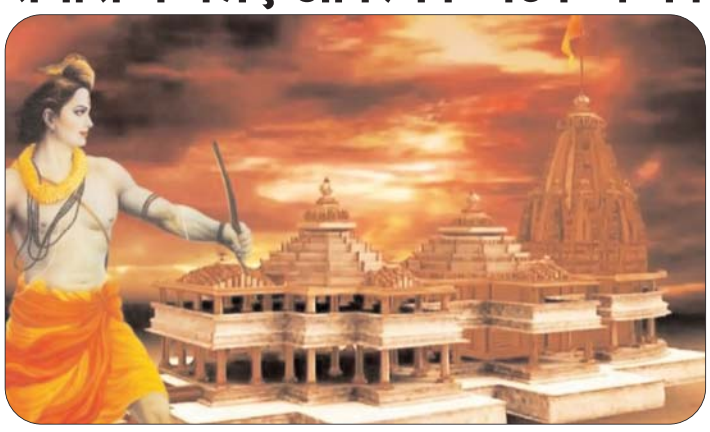

अखिल भारतीय अग्र वैवाहिक केंद्र ग्वालियर की साप्ताहिक बैठक संस्थान के सह संस्थापक अनूप अग्रवाल द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मंदिर निर्माण पर हो रही प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर ग्वालियर में भी श्रीरामलला की भव्य शोभायात्रा निकालने का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें सभी हिन्दू वर्ग के एवं सनातन धर्म को मानने वालों को सम्मलित करने हेतु तथा उनका सहयोग लेने की बात रखी गई, जिसके लिए उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा उक्त प्रस्ताव पर सहमत होकर विचार रखा गया कि हिन्दू होने के नाते सभी हिन्दुओं का दायित्व है कि वह भी इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने हेतु कुछ करें. अतः सर्व सम्मति से निर्णय हुआ कि ग्वालियर शहर में निकलने वाली ÷भगवान श्री रामलला शोभा यात्रा÷ में सर्व हिन्दू समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएं इस हेतु एक आवश्यक बैठक श्री अग्रसेन भवन तेजेन्द्र नाथ की गली दालबाजार में 5 जनवरी शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे आयोजित की गई है। अतः सर्व हिन्दू समाज के सनातनी भाइयों से आग्रह है कि उक्त बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में सम्मिलित हों, ताकि ÷भगवान श्री रामलला शोभा यात्रा÷ कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजन समिति और संरक्षक मंडल का गठन किया जा सके7 अखिल भारतीय अग्र वैवाहिक केन्द्र की बैठक में अनूप अग्रवाल, सुरेश चंद्र बिंदल, रामनाथ अग्रवाल, अशोक गर्ग, हरिओम बंसल, ओमप्रकाश अग्रवाल, राजकुमार गर्ग, अनूप सिंघल, अजय जैन, श्रीराम गोयल, दिनेश चंद्र बंसल, महेंद्र कुमार बंसल, नंदकिशोर अग्रवाल, रविन्द्र कुमार गर्ग, दिनेश कुमार अग्रवाल (रक्तदान), हरिदास अग्रवाल, जे. सी. अग्रवाल, रवि कुमार गर्ग, ओमप्रकाश सिंघल, नरेंद्र गर्ग, ओ. पी. गुप्ता, जे. पी. सिंघल, डॉ रामजी दास गोयल, टी. डी. वैश्य, नरेश अग्रवाल, श्याम कुमार अग्रवाल, श्रीमती रत्ना अग्रवाल,बैजनाथ बिंदल, महेंद्र अग्रवाल (माधव नगर), कमल गुप्ता, किशोर गर्ग एवं जीतेन्द्र सिंह उपस्थित रहे7

सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ जन-जन तक योजनाएँ पहुँचा रही है: नारायण सिंह

ग्वालियर सुनीता व मंजू को निःशुल्क चूल्हा व गैस सिलेण्डर, शांति देवी को कल्याणी पेंशन योजना का स्वीकृत पत्र और कई लोगों को आयुष्मान कार्ड मिले तो सभी लाभान्वित लोगों के चेहरे खुशी से चमक उठे। साथ ही सभी ने सरकार के प्रति आभार जताया। सामाजिक न्याय व दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, नगर निगम सभापति मनोज तोमर व भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित हुए शिविर में केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सहायता वितरित की। मंत्री कुशवाह ने कहा कि संकल्प यात्रा के माध्यम से दोनों सरकारें पूरी प्रतिबद्धता के साथ योजनाओं को जन-जन तक पहुँचा रहीं हैं। बुधवार को यहाँ गोरखी पानी की टंकी के समीप विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित हुए शिविर के माध्यम से शहर के वार्ड-40 व 49 के हितग्राहियों को लाभान्वित कराया गया। शिविर के माध्यम से 13 हजार 219 हितग्राहियों को लाभान्वित कराया गया। हितग्राहियों को लाभान्वित कराने में क्षेत्रीय पार्षदगणों ने महती भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सर्वश्री सतीश बोहरे, सुघर सिंह पवैया, धर्मेन्द्र राणा

व संजू पोतनीस सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। शिविर के नोडल अधिकारी बृजेश राजपूत ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्रीय कार्यालय 18 के अंतर्गत वार्ड 40 व 49 के लिए क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 गोरखी पानी की टंकी में एवं ही क्षेत्रीय कार्यालय 11 के अंतर्गत रविदास आश्रम पर आयोजित हितग्राही शिविरों के दौरान 12693 हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया। जिसमें गोरखी पानी की टंकी में 8292 लोगों ने एवं रविदास आश्रम पर 4401 हितग्राहियों ने शिविर का लाभ लिया।

इन योजनाओं का दिया गया लाभ -विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित हुए शिविरों के माध्यम से पीएम स्व निधि, पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, अमृत योजना, पीएम मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, पीएम उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम जन औषधि जन योजना, उजाला योजना, सौभाग्य योजना एवं खेलो इंडिया के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित कराया गया।

सफाई मित्रों सहित आमजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण-विकसित भारत संकल्प यात्रा में शिविर के दौरान लगाए गए कैंप में स्वास्थ्य शिविर में सफाई मित्रों एवं क्षेत्रीय निवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाएँ वितरित की गईं। स्वास्थ्य शिविर में आंखो, बीपी व शुगर सहित कई जांचे की गई।

चार जनवरी को यहाँ होगा शिविरों का आयोजन -विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत 4 जनवरी को भी शिविर लगाए जाएंगें। जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19 के अंतर्गत वार्ड 44, 46 व 50 के लिए गोरखी व स्काउट कार्यालय परिसर, महाराज बाडा एवं खुर्जे वाला मोहल्ला निगम मार्केट में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीयन शुरू

ग्वालियर7 प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर चिन्हित 18 ट्रेड के कारीगरों का पंजीयन किया जा रहा है। यह पंजीयन जिले में स्थापित विभिन्न नागरिक सुविधा केन्द्रों (सीएससी) में कराया जा सकता है। पोर्टल पर दर्ज होने वाले आवेदनों का सत्यापन व अनुमोदन त्रि-स्तरीय प्रक्रिया (ग्राम पंचायत, जिला क्रियान्वयन समिति व राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति) के तहत होगा।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का क्रियान्वयन भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय और कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य 18 प्रकार के पारंपरिक शिल्पकार और कारीगरों को लाभान्वित कराना है। विस्तृत जानकारी के लिये 23 ओल्ड खे?पति कॉलोनी में जीडीए ऑफिस के सामने स्थित जिला हाथकरघा कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

इन शिल्पकारों व कारीगरों को कराया जायेगा लाभान्वित-प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 18 प्रकार के शिल्पकार और कारीगरों को प्रमाण-पत्र और आईडीकार्ड दिलाए जायेंगे। साथ ही उन्हें लाभान्वित भी कराया जायेगा। इनमें कारपेंटर, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, हथौ?ा और टूलकिट निर्माता, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राज मिस्त्री, डलिया, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, पारंपरिक गु?िया और खिलौने बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी एवं मछली का जाल बनाने वाले शिल्पकार शामिल हैं।

महाकौशल क्षेत्र में तीव्र प्रगति सुनिश्चित की जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में तीव्र प्रगति सुनिश्चित की जाएगी। संभाग के सभी जिलों में नए उद्योगों से लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार प्राप्त होगा और खुशहाली आएगी। खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन और अन्य संबंधित गतिविधियों से नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। करीब 800 करोड़ रूपए की लागत से एलिवेटेड कॉरीडोर विकसित होगा, जो प्रदेश का सबसे बड़ा कॉरीडोर होगा। महाकौशल क्षेत्र में जनसहयोग से विकास का कारवां आगे बड़ेगा। प्रगति के कार्य निरंतर चलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज जबलपुर में 409.53 करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कर रहे थे। इनमें 100.66 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और 308.87 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्रामों की तकलीफें दूर की जाएंगी। आज बरगी डेम के प्रभावित 10 ग्राम के 1414 परिवारों को भू-अभिलेख के पट्टे भी प्रदान किए गए। जबलपुर में 63 एकड़ क्षेत्र में आई.टी. पार्क का निर्माण कार्य किया जाएगा, इसकी लागत 400 करोड़ रूपए है। इसके अलावा 65 करोड़ रूपए की लागत के गारमेंट और फैशन डिजाइन क्लस्टर का विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेक हितग्राहियों को हितलाभ भी प्रदान किए। कार्यक्रम में 1414 परिवारों को भू-अधिकार के पट्टे प्रदान किए गए।

जबलपुर शहर का स्वरूप बदल देंगे विकास कार्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज जबलपुर में कौशल विकास, चिकित्सा शिक्षा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभागों के विकास कार्यों की शुरूआत की हैं। इन विकास कार्यों से जबलपुर शहर का स्वरूप बदल जाएगा। इन कार्यों में बरगी जिला जबलपुर में 03 ट्रेड आईटीआई का भवन निर्माण कार्य, एन.एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज जबलपुर में स्नातक प्रवेश क्षमता 150 से 250 सीटर उन्नयन, शारदा नगर पार्क मे रांझी वन विहार निर्माण कार्य (मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना), रानी अवन्ती बाई वार्ड चग्गर फर्मा कॉलोनी एवं राजुल सिटी से स्वर्ण भूमि मुख्य मार्ग मे एम 30 सीमेंट सडक निर्माण, महाराजा अग्रसेन वार्ड अंतर्गत अहिंसा चौक से वासु डेरी होते हुए सायबर जंक्शन तक एम 30 सीसी रोड, संभाग क्र 14 अंतर्गत महाराजा अग्रसेन वार्ड गरबा स्कीम नं 5/14 में विभिन्न स्थानों पर एम 30 सीसी सड़क निर्माण कार्य समिति, 750 एमएम पाइप लाइन राजुल काम्प्लैक्स आगा चौक से 300 एमएम पाइपलाइन सर्वोदय नगर तक एवं विभिन्न

स्थानों पर पाइपलाइनों का कार्य, जबलपुर स्मार्ट रोड फेस 1 (राइट टाउन रोड), जबलपुर स्मार्ट रोड फेस 2 (गोलबाजार रोड) और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल महाविद्यालय जबलपुर में 85 पीजी सीट वृद्धि निर्माण कार्य शामिल हैं।

अयोध्या और हरिद्वार की तर्ज पर विकसित होंगे घाट-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा के 17 घाटों के विकास कार्य भी होंगे। यह घाट अयोध्या और हरिद्वार की तर्ज पर बनेंगे। नर्मदा जी पूर्व से पश्चिम की तरफ बहती हैं। मध्यप्रदेश के नागरिक श्रद्धापूर्वक माँ नर्मदा की आरती करते हैं। घाटों के विकास के संबंध में विभिन्न सुझावों पर भी अमल किया जाएगा।रानी दुर्गावती सहित वीरांगनाओं की जीवनी पाठ्यक्रम में शामिल होंगीमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन की शुरूआत नर्मदे हर और जय-जय श्री महाकाल के उद्घोष के साथ की। डॉ. यादव ने कहा कि जाबालि ऋषि की धरती जबलपुर देश का मध्य केन्द्र भी है। यह रानी दुर्गावती के शौर्य और पराक्रम का प्रमाण देने वाली धरती है। रानी दुर्गावती के बलिदान का सम्मान करते हुए जबलपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। यह क्षेत्र रानी अवंती बाई के बलिदान का भी गवाह है। साहसी भारतीय महिलाओं ने सदैव दुनिया के आगे साहस का उदाहरण प्रस्तुत किया है। रानी दुर्गावती ने अकबर जैसे शासक को युक्ति और बुद्धि से शिकस्त देने के निरंतर प्रयास किए। वे आखिरी सांस तक लड़ती रहीं। उन्होंने पराजय स्वीकार करने के स्थान पर स्वयं को कटार घोंपकर प्राणोत्सर्ग कर दिया। आजादी के अमृत काल में स्वाधीनता आंदोलन की अग्रदूत रानी दुर्गावती का आज सम्मानपूर्वक स्मरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रानी दुर्गावती स्मारक के लिए भूमिपूजन किया था। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती अन्य वीरांगनाओं की जीवनी पाठ्यक्रम में शामिल की जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में है मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के मन में मोदी हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन में मध्यप्रदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को समूचे विश्व में ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया है। वे मध्यप्रदेश की प्रगति के आकांक्षी हैं। उनका संकल्प है सुशासन के उच्च मापदंड स्थापित करते हुए कार्य किया जाए।

प्रदेश में घर-घर होगी दीपावली, मंदिर सजाएंगे-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का गौरवमयी क्षण है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार ने इस अद्भुत क्षण का सम्मान करने का निर्णय लिया है। अयोध्या जाने वाले तीर्थ यात्रियों का पुष्प वर्षा से स्वागत किया जाएगा। उन सभी स्थानों को तीर्थ स्थल बनाया जाएगा, जहां भगवान राम के चरण पड़े हैं। हर गाँव और शहर में मंदिरों की सज्जा होगी और दीपावली मनाई जाएगी।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद वी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश के विकास और गरीब कल्याण के लिए समर्पित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल की नगरी को संवारने का कार्य किया है। वे पूरे प्रदेश में विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। जबलपुर में मंत्रिपरिषद की प्रथम बैठक की पहल सराहनीय है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव महाकाल के भक्त हैं। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश प्रगति पथ पर आगे बड़ेगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478